



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 30]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 26, 1975 (श्रावण 4, 1897)

No. 30]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 26, 1975 (SRAVANA 4, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 मई 1975

सं० ए० 32013/1/75 प्रशासन-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I के स्थायी अधिकारी श्री ए० गुप्त ने जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/75 प्रशासन-I दिनांक 20 मई, 1975 द्वारा उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 24 मई, 1975 के अपराह्न से उप सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री ए० गुप्त ने 24 मई, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवसर सचिव के पद का कार्यभार पुनः संभाल लिया।

सं० ए० 32013/1/75-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की स्थायी अधिकारी कुमारी एस० टी० केसवानी को, राष्ट्रपति द्वारा 12-5-75 से 8-8-75 तक 89 दिन की अवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

166GI/75

(6065)

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री टी० डी० जोशी को, राष्ट्रपति द्वारा 19-5-75 से 19-7-75 तक 62 दिन की अवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी,  
अवर सचिव,  
(प्रशासन प्रभारी)

मंत्रिमंडल सचिवालय

कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० बी०-53/65-प्रशासन-5—दिनांक 2-6-75 से 91 दिन की सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी चले जाने पर, श्री बी० एस० रामाराव, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना ने दिनांक 31-5-75 से अपराह्न में पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, बंगलौर शाखा के पद का कार्यभार त्याग दिया।

निवर्तन प्राप्त कर लेने पर उन्हें दिनांक 31-8-75 (अपराह्न) से सरकारी सेवा में निवृत्त होना है।

\*सं० आर०-13/72-प्रशा०-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री राजेन्द्र मोहन, पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो ने दिनांक 31-5-75 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, में अपने पुलिस अधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 5 जुलाई 1975

सं० ए०-19036/6/75-प्रशा०-5—भारतीय पुलिस सेवा में चयन हो जाने पर श्री राज मोहम्मद सिंह बगर, पुलिस उप-अधीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो (प्रशिक्षणाधीन) द्वारा दिया गया त्याग-पत्र दिनांक 13-6-75 (अपराह्न) से सजुर कर लिया गया है।

राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में प्रशिक्षणाधीन श्री बगर, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो ने दिनांक 13-6-75 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० ए०-19021/6/75-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से पश्चिमी बंगाल संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकाारी श्री ए० एन० विश्वास को दिनांक 11-6-1975 के पूर्वाह्न में अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करने है।

गुलजारी लाल अग्रवाल,  
प्रणामन अधिकारी (स्था०)

नई दिल्ली, दिनांक 17 जून 1975

नियुक्ति

फा० सं० ए०-11/10/75—श्री एम० पी० जुबना, निरीक्षक, आयकर, नई दिल्ली को प्रवर्तन निदेशालय के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 31-5-75 (अपराह्न) में अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 23 जून 1975

फा० सं० ए०-11/9/75—श्री एम० डी० पाटिल, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, बुर्ला, बम्बई को प्रवर्तन निदेशालय के बम्बई क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 31-5-75 (पूर्वाह्न) में अगले आदेशों तक के लिए मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया जाता है।

सुरज भानू जैन,  
निदेशक

गृह मंत्रालय

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1975

सं० 11/5/75-आर० जी० (ए० डी०-1)—राष्ट्रपति श्री एम० एल० शर्मा को, जो मध्य प्रदेश के जनगणना

निदेशक के कार्यालय में सहायक जनगणना निदेशक (नकली) है, दिनांक 1 जून 1975 में 6 महीने की अवधि के लिए या अगले आदेश प्रेषित होने तक, जो भी पहले हो, उसी कार्यालय में उप-जनगणना निदेशक के पद पर विनियुक्त अस्थायी एवं तत्काल रूप में स्वीकृत करने है।

श्री शर्मा का मुख्य कार्यालय भोपाल में होगा।

वर्द्धा नाथ,  
भारत के उपमहापंजीकार  
एवं पदेन उपसचिव

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003 दिनांक 21 जून 1975

सं० ई०-31013(2)/5/74-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, निरीक्षक सी० डी० राय को दिनांक 28 मई 75 के पूर्वाह्न में, आगामी आदेश जारी होने तक, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत उर्वरक निगम, मिन्दरी का स्थानापन्न रूप में सहायक कमांडेंट नियुक्त करने है, जिन्होंने श्री ईश्वर सिंह के स्थान पर उसी तारीख में उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया। श्री ईश्वर सिंह ने उसी दिनांक से उपरोक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(2)/4/75-प्रशा०-1—कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट को स्थानान्तरित होने पर, श्री ए० सी० राय ने, दिनांक 3 जून 75 के अपराह्न में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, कलकत्ता, के ग्रुप कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा श्री एस० मैत, सहायक महानिरीक्षक (पूर्वी क्षेत्र), केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, कलकत्ता, ने उसी दिनांक से उक्त पद का अतिरिक्त कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(2)/4/75-प्रशा०-1—कलकत्ता में स्थानान्तरित होने पर श्री ए० टी० शिववेतगडम, ने श्री आर० के० नियोगी के स्थान पर दिनांक 4 जून 75 के अपराह्न में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, अर्वाण स्टील प्लांट, दुर्गापुर के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री आर० के० नियोगी ने उसी दिनांक से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 23 जून 1975

सं० ई०-33013/2/74-प्रणामन-1—व्यापक स्वीकृत होने पर, ले० कर्नल ओ० डी० वक्शी ने दिनांक 24 मार्च, 1975 के अपराह्न में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, बोकारो स्टील लि०, बोकारो, के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 26 जून 1975

सं० ई०-29018(2)/1/75-प्रशा०-1—श्री के० एन० कपूर आई० पी० एम०, जिनका मुख्यालय नई दिल्ली में था, ने दिनांक 1 जून, 1975 के पूर्वाह्न में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा

बल यूनिट, सुरक्षा पेपर मिल, होशंगाबाद, के कमान्डेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत भारी बिस्कुट लिमिटेड, हरिवार, के कमान्डेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० ई०-29018 (2)/1/75-प्रणा०-I—श्री के० रामामूर्ति, आई० पी० एस०, ने दिनांक 19 जून, 1975 के अपराह्न से, उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (दक्षिण क्षेत्र), मद्रास, के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने दिनांक 20 जून, 1975 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

एल० एस० विष्ट, महानिरीक्षक

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110002, दिनांक 25 जून 1975

सं० ओ-11-1011/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर विचित्रानन्दा बिहोरा को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनको 21-4-1975 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर विचित्रानन्दा बिहोरा को ग्रुप सेंटर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है।

सं० ओ-11-1008/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर रमेश चन्द्रा मोहन्ती को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनको 22-4-1975 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर रमेश चन्द्रा मोहन्ती को आर० टी० सी० नं० 2 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 26 जून 1975

सं० एफ-2/34/75-ईस्ट (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति श्री आर० एस० यादव, उप पुलिस अधीक्षक को उसकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में सहायक कमान्डेंट के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

2. उसने उप पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमान्डर) 17वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के पद का कार्यभार 17 मई, 1975 (अपराह्न) को त्याग दिया और 20 मई, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल की 44वीं बटालियन में सहायक कमान्डेंट के पद का तदर्थ रूप से कार्यभार संभाला।

दिनांक 27 जून 1975

सं० ओ-11-722/69-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर जी० सी० बलचन्दानी जी० डी० ओ० ग्रेड-II को उसकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० ओ० ग्रेड-I के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. उसने जी० डी० ओ० ग्रेड-II वेस हस्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, दिल्ली के पद का कार्यभार 23-5-75 के अपराह्न छोड़ा और 26-5-75 के पूर्वाह्न से ग्रुप सेंटर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, नीमच में जी० डी० ओ० ग्रेड-I के पद का तदर्थ रूप से कार्यभार संभाला।

सं० एफ० 3/22/74-ईस्ट (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति श्री बी० कृष्णस्वामी सहायक कमान्डेंट को उसकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कमान्डेंट के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री बी० कृष्णस्वामी ने सहायक कमान्डेंट ग्रुप सेंटर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल अवादी के पद का कार्यभार 7-6-75 के अपराह्न छोड़ा और 13 जून 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल की 17वीं बटालियन में कमान्डेंट के पद का तदर्थ रूप से कार्यभार संभाला।

दिनांक 2 जुलाई 1975

संख्या एफ० 8/8/75-स्था० (के० रि० पु० द०)—श्री के० एस० यादव ने उनके त्यागपत्र की स्वीकृति होने के फलस्वरूप उप-अधीक्षक पुलिस (कम्पनी कमान्डर/क्वाटर मास्टर) 9 बटा० के० रि० पु० दल के पद पर का कार्यभार दिनांक 26-5-75 (अप०) को त्याग दिया।

सं० ओ० टू० 130/75-ईस्ट (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति भूतपूर्व मेजर गुरदयालसिंह जो कि भारतीय स्थल सेना के एक अधिकारी हैं को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में प्रतिनियुक्ति पर अस्थायी रूप में सहायक कमान्डेंट के पद पर नियुक्त करते हैं।

उन्होंने सहायक कमान्डेंट के पद का कार्यभार प्रथम सिगनल बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में 16-6-75 पूर्वाह्न को संभाला।

दिनांक 4 जुलाई 1975

सं० डी० 1/3/74-स्थापना—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के अधिकारी श्री आर० के० सिंह को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में अस्थायी रूप में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस उप अधीक्षक (कम्पनी कमान्डर/क्वाटर मास्टर) के रूप में अगले आदेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

2. उन्होंने अपने पद का कार्यभार महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, नई दिल्ली में दिनांक 6 जून 1975 पूर्वाह्न संभाल लिया है।

दिनांक 7 जुलाई 1975

सं० ओ० टू० 89/69-स्थापना—जे० कर्नल डी० के० सी० दत्ता के प्रतिनियुक्ति का समय समाप्त होने पर उन्होंने कमान्डेंट 56वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल का कार्यभार 6 जून 1975 अपराह्न को त्याग दिया।

एम० एन० माथुर,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद-500252, दिनांक 26 जून 1975

सं० 41/4/73-स्थापना—भारत सरकार के सुरक्षा महा-निदेशालय (केबिनेट सचिवालय) के विमानन अनुसंधान केन्द्र से स्थानान्तरित होकर भारतीय पुलिस सेवा, केरल काडर के श्री बी० एस० शास्त्री (1964) ने सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में 14 जून 1975 के पूर्वाह्न से सहायक निदेशक का कार्यभार सम्भाला ।

हरपाल सिंह  
उप निदेशक (प्रशासन)

समन्वय निदेशालय

(पुलिस बेलार)

नई दिल्ली, दिनांक 25 जून 1975

सं० ए० 21/25/71-वायरलेस—श्री जे० पी० माथुर के रक्षा मन्त्रालय संयुक्त बीजलेख ब्यूरो में प्रत्यावर्तित होने पर दिनांक 18 जून 1975 के पूर्वाह्न में समन्वय निदेशालय (पुलिस बेलार) में सहायक निदेशक (बीजलेख) के पद का कार्यभार छोड़ा ।

छत्रपति जोशी  
निदेशक (पुलिस दूर संचार)

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० एस० (44)ए III/ए II—श्री जोगिन्दर सिंह, ओवरसियर के 24-12-74 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक मुद्रण निदेशालय के अधीन भारत सरकार मुद्रणालय के के० एस० राय रोड यूनिट, संतगाछी, हाबड़ा में स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) नियुक्त किया गया है ।

सं० जे० (16)ए III/ए II—श्री एम० पी० जेकब, ओवरसियर भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद को 30-12-1974 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक मुद्रण निदेशालय के अधीन भारत सरकार मुद्रणालय कोराट्टी में स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) नियुक्त किया गया है ।

श० म० जाम्भोलकर,  
मुद्रण निदेशक

वित्त मन्त्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 27 जून 1975

सं० 511/(ए) —दिनांक 23 मई 1975 की अधिसूचना सं० 302/ए० के क्रम में श्री एन० जे० को उपनियंत्रक अधिकारी

के पद पर चलार्थ पत्र मुद्रणालय में तदर्थ रूप में उन्हीं शर्तों के साथ 2 अगस्त 1975 तक नियुक्त करते हैं ।

वि० ज० जोशी

महा प्रबन्धक

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 19 जून 1975

अधिसूचना क्रमांक 12(2/7)/3273 दिनांक 9-6-75 की चौथी लाइन में दशमि गण्य वेतनमान को रु० 840-4-1000-ई० बी० -40-1200 के स्थान पर रु० 840-40-1000-ई० बी० -40-1200 पड़ा जाए ।

दिनांक 24 जून 1975

दिनांक 15 जून 1975 से कारखाने में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के प्रतिष्ठान के फलस्वरूप एवं वाच एण्ड वार्ड विभाग के पूर्ण कार्य एवं उत्तरदायित्व ले लेने के कारण वर्तमान वाच एण्ड वार्ड विभाग के स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी श्री एस० टी० मिरसट अतिरिक्त घोषित किये जाते हैं ।

तथापि कारखाने में अन्य नौकरी के लिए उनकी प्रार्थना पर विचार कर श्री एस० टी० मिरसट सुरक्षा अधिकारी को 16-6-75 से 6 माह की अवधि लिए रु० 650-30-740-35-8 10 ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर अपिन शमन अधिकारी नियुक्त किया जाता है ।

श० र० पाठक

महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा-परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1975

उनके स्टेट ट्रेडिंग कारपोरेशन आफ इंडिया लि० में स्थायी रूप से रख लिये जाने के कारण भारत के नियन्त्रक तथा महालेखा परीक्षक ने श्री एल० सि० मेहरा, एक स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी (वाणिज्य) का सरकारी सेवा से त्यागपत्र 5 जनवरी, 1975 से स्वीकार कर लिया है ।

सुशील देव भट्टाचार्य  
उपनिदेशक (वाणिज्य)

कार्यालय महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1975

कार्यालय आदेश सं० प्रशासन-1/71—इस संगठन के निम्न-लिखित लेखा अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तिथि से

लेखा अधिकारी के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

श्री मखन लाल साधू को 16 जून, 1975 के अपराह्न से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

क्रम सं०	नाम	स्थायी रूप से नियुक्ति की तिथि
सर्वश्री		
1.	एच० आर० कपूर	1-3-75
2.	ईश्वर सिंह	1-3-75
3.	एच० डी० मुखरजी	1-3-75
4.	एन० सी० राय-II	1-3-75

जी० एन० पाठक,  
महालेखाकार

कार्यालय महालेखाकार जम्मू व काश्मीर

श्रीनगर, दिनांक 1975

महालेखाकार जम्मू व काश्मीर ने आगामी आदेश तक के लिये इस कार्यालय के अधीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य

पी० के० बोस  
वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशासन तथा अधिकरण

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० ए० प्रशासन/130/75—भारतीय खनिज व धातु व्यापार निगम में स्थाई रूप से लिये जाने के परिणामस्वरूप श्री के० बाई० पद्मनाभन स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी रक्षा सेवाएं का लियन 17-1-1975 से इस विभाग में समाप्त कर दिया है।

आर० भाष्यम्

लेखा परीक्षा अधिकारी

रक्षा सेवाएं

#### रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1975

सं० 40011(2)/74/प्रशासन--(1) वार्षिक निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को उनके नाम के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत किया जाएगा।

क्रम सं०	नाम, रीस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना की अन्तरण की तारीख	संगठन
सर्वश्री				
1.	ए० सी० भट्टाचार्य (पी०/196)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-9-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता
2.	के० सी० सेन (पी०/402)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-8-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता
3.	आर० बोराई स्वामी (ओ/117)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-9-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना
4.	पी० एम० शीधमे (ओ/268)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-9-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (अफसर), पूना
5.	त्रिलोक चन्द मुचाला (ओ/361)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-9-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ

श्री ए० सी० भट्टाचार्य को 7-6-75 से 30-9-75 तक 116 दिन की सेवा निवृत्ति पूर्व अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

(2) निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011 (2)/74-प्रशा/०ए दिनांक 20-8-74 के पैरा 3 के रूप में जोड़ा जाता है।

'श्री श्रीमप्रकाश शर्मा, स्थायी लेखा अधिकारी को तारीख 12-6-75 से 31-8-75 तक सेवा निवृत्ति पूर्व अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।'

(3) निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/74-प्रशा-०ए, दिनांक 9-6-75 के पैरा 3 के रूप में जोड़ा जाता है।

'श्री डी० आर० अग्रवाल, स्थायी लेखा अधिकारी को तारीख 1-6-75 से 31-8-75 तक सेवा निवृत्ति पूर्व अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।'

दिनांक 28 जून 1975

सं० 40011(2)/75/प्रशा० ए०(1)---रक्षा लेखा महा नियंत्रक निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को स्था-  
नापन्न लेखा अधिकारियों के रूप में आगामी आदेश पर्यन्त प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के पूर्वाह्न से एतद् द्वारा  
नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	संगठन जिसमें सेवारत है	तारीख
<b>सर्वश्री</b>			
1.	जयदेव कोहली	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, (निधि) मेरठ	26-5-1975 (पूर्वाह्न)
2.	एस० एन० मुखर्जी	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	21-5-1975 (पूर्वाह्न)
3.	राजेन्द्र सिंह दोसज	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	1-5-1975 (पूर्वाह्न)
4.	ए० एस० भाटिया	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	24-3-1975 (पूर्वाह्न)
5.	जगदीश चन्द्र कथूरिया	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	30-4-1975 (पूर्वाह्न)
6.	एस० रामानाथन	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	14-4-1975 (पूर्वाह्न)
7.	तखत सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	1-4-1975 (पूर्वाह्न)
8.	कृष्ण स्वरूप चड्ढा	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-4-1975 (पूर्वाह्न)
9.	के० जी० वेंकटेश्वरन	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	1-4-1975 (पूर्वाह्न)
10.	निरंजन सरकार	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-4-1975 (पूर्वाह्न)
11.	आर० के० अय्यंगर	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	1-4-1975 (पूर्वाह्न)
12.	गुरुब्रह्म सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन) इलाहाबाद	1-4-1975 (पूर्वाह्न)
13.	मोहिन्दर सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-4-1975 (पूर्वाह्न)
14.	सूरज प्रकाश भसीन	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-5-1975 (पूर्वाह्न)
15.	कुन्दन लाल मलिक	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून	15-4-1975 (पूर्वाह्न)
16.	अवतार सिंह मल्होत्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	17-5-1975 (पूर्वाह्न)
17.	रामनाथ शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन) इलाहाबाद	17-5-1975 (पूर्वाह्न)
18.	आर० एल० सहगल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	12-5-1975 (पूर्वाह्न)
19.	एस० के० खन्ना	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	12-5-1975 (पूर्वाह्न)
20.	सुशील चन्द चक्रवर्ती	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	3-5-1975 (पूर्वाह्न)
21.	बलबीर सिंह जैन	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक), उत्तर, मेरठ	1-5-1975 (पूर्वाह्न)
22.	के० सूर्य नारायण	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	28-5-1975 (पूर्वाह्न)
23.	डी० एन० खुराना	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, (निधि), मेरठ	1-5-1975 (पूर्वाह्न)
24.	कृष्ण कुमार कपिल	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून	13-5-1975 (पूर्वाह्न)
25.	जी० वेंकटरामन	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून	26-5-1975 (पूर्वाह्न)

(2) इस कार्यालय की प्रारूप राजपत्रित अधिसूचना सं० 40011(1)/75/प्रशा०-ए, तारीख 17-5-75 में निम्नलिखित संशोधन  
किया जाता है।

क्रम सं० 16 के सामने खाना 3 के नीचे

“रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता” के लिये “रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पूना” पढ़ें।

दिनांक 3 जुलाई 1975

श्रम मंत्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक 26 जून 1975

सं० 40011 (2)/74-प्रशा० ए.—सिविल सेवा विनियमावली जिल्द (I) के अनुच्छेद 459(i) के प्रावधानों के अन्तर्गत स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति का नोटिस दे दिए जाने पर रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास के संगठन से सेवारत श्री के० पी० सेतुमाधवन (रोस्टर सं० पी०/382) को 9 दिसम्बर, 1975 पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित किया जाएगा।

श्री के० पी० सेतुमाधवन को 5-8-75 से 16-9-75 तक की अर्जित छुट्टी और 17-9-75 से 8-12-75 तक की अर्द्ध वेतन छुट्टी, सेवा निवृत्ति पूर्व मंजूर की गई है। छुट्टी नोटिस की अवधि के साथ साथ चलेगी।

(3) इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 40011 (2)/74-प्रशा० ए० तारीख 9-6-75 में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है। जहां तक इसका संबंध श्री बी० वेंकटरामन स्थायी लेखा अधिकारी (पी०/44) क्रम सं० 1 से है:-

“मृत्यु की तारीख” वाले खाने के नीचे 27-5-75 के लिए 28-5-75 पढ़ें।

“नफरी से निकालने की तारीख”

वाले खाने के नीचे 28-5-75 (पूर्वाह्न) 29-5-75 (पूर्वाह्न)

एस० के० सुन्दरम

रक्षा लेखा अवर महा नियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता-16, दिनांक 23 जून 1975

सं० 23/75/जी—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री बी० बी० वैद्या, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 मई, 1974 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 24 जून 1975

सं० 24/75/जी—58 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर श्री ए० एस० नागपाल, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन) को दिनांक 1 फरवरी, 1975 से एक वर्ष के लिए सेवा-वृद्धि स्वीकृत की जाती है।

एम० पी० आर० पिल्लय  
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक 25 जून 75

सं० 6/III/54-प्रशासन (जी)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रवरण श्रेणी के स्थायी अधिकारी, श्री के० एस० माथुर को 29 मई, 1975 के पूर्वाह्न से 25 जुलाई, 1975 तक के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न रूप से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 जुलाई 1975

सं० 6/429/56-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, मद्रास में नियंत्रक श्री आर० कुमारवेलु को श्री एम० एस० नादकर्णी के छुट्टी चले जाने पर उन के स्थान पर 30-4-75 से 62 दिनों की अवधि के लिए हैदराबाद में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक

जुलाई 1975

सं० 6/338/56-प्रशा० (जी)—सेवा निवर्तन आयु प्राप्त करने पर, श्री जे० जे० किनी ने संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में 31 मई, 1975 के अपराह्न को नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 7 जुलाई 1975

सं० 6/1076/75-प्रशा० (जी)—राष्ट्रपति, वाणिज्य मंत्रालय में स्थायी अनुभाग अधिकारी, श्री के० आर० श्री-निवासन को 17-6-75 से 19-7-75 तक की अवधि के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० डी० कुमार  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1975

सं० 6/1050/74-प्रशा० (राज) /6079—मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात एतद्द्वारा श्री लखमन सिंह को 3 जून, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियंत्रक, आयात-निर्यात, श्रेणी-2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

नियंत्रक आयात-निर्यात के रूप में श्री लखमन सिंह 650-30-740-35-810-द० अ०-35-880-40-1000-द० अ० 40-1200 रुपये के वेतनमान में नियमों के अनुसार वेतन प्राप्त करेंगे।

ए० टी० मुखर्जी  
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक

जुलाई 1975

सं० 6/1043/74-प्रशा० (राज०) /6084—मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात एतद्द्वारा बार्डर रोड विकास बोर्ड जहाजरानी तथा परिवहन मंत्रालय के श्री राम सनेही, सी०ओ०, जी०डी०ई०-2 को 12 जून, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय (केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र), नई दिल्ली में नियंत्रक, आयात-निर्यात श्रेणी-2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

2. नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में श्री राम सनेही नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० अ० 35-880-40-1000-द० अ० 40-1200 रुपये के वेतनमान में वेतन प्राप्त करते रहेंगे।

ए० टी० मुखर्जी  
उप-मुख्य नियंत्रक,  
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उप-मुख्य नियंत्रण आयात-निर्यात का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1973

आदेश

विषय:—अप्रैल-मार्च, 72 अवधि के लिए अन्तिम उत्पाद बटनों, चश्मे के ढाँचों और कंधियों के लिए लाइसेंस संख्या : पी/एस०/1734856/सी०/एक्स एक्स/42/डब्ल्यू/33-34, दिनांक 6-3-72 को रद्द करना।

सं० यू० 19/एस एस आई/प्लास्टिक/ए एस-72/हैद०—सर्वश्री यूटिलिटी इन्डस्ट्रियल कारपोरेशन, डी-1 इन्डस्ट्रियल इस्टेट, चन्द्र लाल बारादरी, हैदराबाद-1 को 1. मुक्ता सुगन्ध किस्म की एक्रिलिक प्लास्टिक शीट्स, 2. प्लास्टिक गढ़ाई पाउडर, अन्यथा विशिष्टकृत नहीं और 3. रंजकों तथा रंग द्रव्यों के लिए 5,000/- रुपये (पाँच हजार रुपये मात्र), मूल्य के लिए एक आयात लाइसेंस संख्या : पी/एस/1734856/सी/एक्स एक्स/42/डब्ल्यू/33-34, दिनांक 6-3-72 प्रदान किया गया था।

उन्होंने लाइसेंस की सीमा शुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस किसी सीमाशुल्क प्राधिकारी से पंजीकृत कराए बिना और बिल्कुल उपयोग किए बिना खो गया है।

अपने तर्क के समर्थन में उन्होंने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई है और निदेश देता हूँ कि इसकी अनुलिपि आवेदक को जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति रद्द की जाती है।

दिनांक 15 मार्च 1973

आदेश

विषय:—अप्रैल-मार्च 1972 अवधि के लिए अन्तिम उत्पाद हथ-करवा की लुंगियों के लिए जारी किए गए आयात लाइसेंस सं० पी०/एस/1735540/सी/एक्स एक्स/43/डब्ल्यू/33-34 दिनांक 19-6-72 को रद्द करना।

सं० बी०-112/एस एस आई-1/पी-59/एन यू/ए एस/72/हैद०—सर्वश्री बालाजी हेंडलूम इन्डस्ट्रीज 3:82 रघुनाथपुरम, भोंगीर तालुक (नालगोंडा डिस्ट्रिक्ट) को मध्य रंगों आदि के आयात के लिए 5,000 रु० का एक आयात लाइसेंस सं० पी/एस०/1735540/सी/एक्स एक्स/43/डब्ल्यू/33-34 दिनांक 19-6-72 स्वीकृत किया गया था।

2. उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रति बिल्कुल उपयोग किए बिना ही खो गई है।

3. अपने तर्क के समर्थन में उन्होंने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई है और निदेश देता हूँ कि आवेदक को लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम प्रति रद्द की जाती है।

दिनांक 7 मई 1973

आदेश

विषय:—अन्तिम उत्पाद लोह और अलौह कार्बिड्स, सिलाई-मशीनों आदि के लिए अप्रैल-मार्च 1972 के लिए जारी किए गए लाइसेंस सं० पी/एस/1735668/सी/एक्स एक्स/42/डब्ल्यू/33-34, दिनांक 30-3-72 को रद्द करना ।

सं० ए-58/एम एस आई/मिस्क इनिशियल/एमएम 72/हैद०—सर्वश्री आन्ध्रा ल.इट इन्डस्ट्रीज, बी-12, इन्डस्ट्रियल इस्टेट, सनाथनगर, हैदराबाद-18 को (1) कार्बन बोन्डिड ग्रेफाइट क्रुमिबल्स (2) आउटसाइड माइक्रोमीटर ओवर 100 एम एम और उस के फालतू पुर्जों (3) ब्लाकफ्री कटिंग बार्स (लेडिड किस्म) के सामान्य मुद्रा क्षेत्र से आयात के लिए 22,944/- रुपये (बाइस हजार नौ सौ चवालीस रुपये मात्र) के लिए एक आयात लाइसेंस सं० पी/एस/1735668/सी/एक्स एक्स/42/डब्ल्यू/33,34, दिनांक 30-3-72 प्रदान किया गया था ।

उन्होंने लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस बिल्कुल उपयोग किए बिना खो गया है ।

अपने तर्क के समर्थन में उन्होंने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है । मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है और निदेश देता हूँ कि इसकी अनुलिपि आवेदक को जारी की जानी चाहिए । लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति एतद्द्वारा रद्द की जाती है ।

आदेश

विषय:—अप्रैल-मार्च, 1972 के लिए अन्तिम उत्पाद मिठाई के लिए जारी किए गए लाइसेंस संख्या पी/एस/1706351/आर/एम एल/41/डब्ल्यू/33-34, दिनांक 20-10-71 को रद्द करना ।

सं० एस-29/कान्फ/ए एम-72/एस एस आई/हैद०—सर्व श्री शक्ति प्रोडक्ट्स, 11-3-887, मालेपल्ली, हैदराबाद-1 को सुगंधित रसायनों, प्राकृतिक सपंध तेलों तथा वेजेटेबल पार्च-मेंट पेपर के लिए एक आयात लाइसेंस संख्या पी/एस/1706351/आर/एम एल/41/डब्ल्यू/33-34, दिनांक 20-10-71 प्रदान किया गया था ।

उन्होंने उक्त लाइसेंस सीमाशुल्क तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन दोनों प्रतियों की अनुलिपि प्रतियों के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए और बिना कुछ भी उपयोग किए ही खो गया है ।

अपने तर्क के समर्थन में उन्होंने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है । मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क तथा मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रतियां खो गई हैं और निदेश देता हूँ कि आवेदक को लाइसेंस की अनुलिपि प्रतियां जारी की जानी चाहिए । लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियां एतद् द्वारा रद्द की जाती हैं ।

2-166GI/75

दिनांक

1973

आदेश

विषय:—अन्तिम-उत्पाद : सूत को रंगने के लिए अप्रैल-मार्च 1972 के लिए जारी किए गए लाइसेंस सं० पी/एस/1737480/सी/एक्स एक्स/45/डब्ल्यू/33-34 को रद्द करना ।

सं० एस-217/गारमेंट्स/एस एस आई एन यू/ए एम-72/हैद०—सर्वश्री मुन्बानी रामा स्वामी एस/ओ राजेश्वरम डारिंग हाउस, बोम्मकल, तालुक और जिला करीमनगर को रंजक मध्यस्थों के लिए 5,000/- रुपये (पांच हजार रुपये मात्र) के लिए एक आयात लाइसेंस सं० पी/एस/1737480/सी/एक्स एक्स/45/डब्ल्यू/33-34, दिनांक 26-10-1972 प्रदान किया गया था ।

उन्होंने लाइसेंस की सीमाशुल्क और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति दोनों की अनुलिपियों के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस किसी सीमाशुल्क प्राधिकारी से पंजीकृत कराए बिना और बिल्कुल उपयोग किए बिना खो गए हैं ।

अपने तर्क के समर्थन में उन्होंने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है । मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है और निदेश देता हूँ कि इसकी अनुलिपियां आवेदक को जारी की जानी चाहिए । लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति एतद्द्वारा रद्द की जाती हैं ।

आर० जयराम नायडू  
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

हैदराबाद, दिनांक 20 अगस्त 1973

आदेश

विषय:—अप्रैल-मार्च, 1972 अवधि के लिए अन्तिम उत्पाद आयुर्वेदिक औषधियों के लिए जारी किए गए लाइसेंस सं० पी/एस/1736412/सी/एक्स एक्स/44/डब्ल्यू/33-34, दिनांक 4-8-1972 को रद्द करना ।

सं० डी/70/एस एस आई-1/पी-38/ई यू/ए एम-72/हैद०—सर्वश्री दिग्गार्थी फार्मसी, 18-5-7, गोरे वेन्कटारै स्ट्रीट, सीतारामनजेवियापेटा, तेनाली (गन्तूर जिला) को अपरिष्कृत भेषजों आदि के लिए 5000/- रुपये (पांच हजार रुपये मात्र) का एक आयात लाइसेंस सं० पी/एस/1736412/सी/एक्स एक्स/44/डब्ल्यू/33-34, दिनांक 4-8-72 स्वीकृत किया गया था ।

2. उन्होंने लाइसेंस की सीमाशुल्क कार्य संबंधी तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रण दोनों प्रतियों के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस (दो प्रतियों में) बिल्कुल उपयोग किए बिना फट-फटा गया है ।

3. फर्म ने मूल लाइसेंस (दो प्रतियों में) अभ्यापित किया है । मैं संतुष्ट हूँ कि मूल लाइसेंस (दो प्रतियों में) फट-फटा गया है और निदेश देता हूँ कि आवेदक को लाइसेंस की अनुलिपि

सीमा शुल्क कार्य संबंधी तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रण दोनों प्रतियाँ जारी की जानी चाहिए। मूल लाइसेंस (दो प्रतियों में) रद्द किया जाता है।

दिनांक 25 अगस्त 1973

आदेश

विषय:—अप्रैल-मार्च, 1972 लाइसेंस अवधि के लिए जारी किए गए लाइसेंस सं० पी/एस/1739603/टी/ओ आर/47/डब्ल्यू/33-34, दिनांक 18-4-73 को रद्द करना।

सं० आई-10/एस एस ओ-II/कान्फ/ए एम-72/हैद०—सर्वश्री इन्टरनेशनल फूड्स पी-5 उप्पल रोड, हैदराबाद-7 को अप्रैल-मार्च, 1972 लाइसेंस अवधि के लिए 13,781 रुपये (तेरह हजार सात सौ इक्यासी रुपये मात्र) का एक आयात लाइसेंस सं० पी/एस/1739603/टी/ओ आर/47/डब्ल्यू/33-34, दिनांक 18-4-73 स्वीकृत किया गया था।

उन्होंने अब उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रति बिल्कुल उपयोग किए बिना ही खो गई है।

इस संबंध में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस सं० पी/एस/1739603/टी/ओ आर/47/डब्ल्यू/33-34, दिनांक 18-4-73 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है और आदेश देता हूँ कि आवेदक को लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति जारी की जानी चाहिए।

लाइसेंस सं० पी/एस/1739603/टी/ओ आर/47/डब्ल्यू/33-34, दिनांक 18-4-73 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति रद्द की जाती है।

पी० गोविन्दाराजू

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जून 1973

आदेश

सं० बी ई एल/8/72-73/पी एल एस/(ए)—सर्वश्री भारत इलेक्ट्रानिक्स, जालाहल्ली बंगलौर को 6,800 रु० (छः हजार आठ सौ रुपये मात्र) के लिए एक आयात लाइसेंस सं० जी/आर पी/2442563/आर/एम ए/46/एच, दिनांक 21-11-72 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क कार्य-संबंधी प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा-शुल्क कार्य संबंधी प्रति खो गई है/अस्थानस्थ हो गई है। आगे यह बताया गया है कि मूल सीमा-शुल्क कार्य संबंधी प्रति किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं करवाई गई थी। इस का बिल्कुल उपयोग नहीं किया गया था और 14-3-73 को इस में 6,800 रुपये शेष उपलब्ध था।

इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने मुन्सिफ व पदेन प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट, बंगलौर द्वारा प्राप्त एक प्रमाण-पत्र के साथ एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं, तदनुसार, संतुष्ट हूँ कि उपर्युक्त लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क कार्य-संबंधी प्रति खो गई है। इसलिए यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55

की उप-धारा 9 (सीसी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस सं० जी/आर-पी/2442563/आर/एम ए/46/एच दिनांक 21-12-72 की मूल सीमा-शुल्क कार्य-संबंधी प्रति जो सर्वश्री भारत इलेक्ट्रानिक्स जालाहल्ली को जारी की गई थी, एतद् द्वारा रद्द किया जाता है।

लाइसेंसधारी को उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क कार्य-संबंधी प्रति अलग से जारी की जा रही है।

सरदूल सिंह,

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

(लोहा तथा इस्पात प्रभाग)

बम्बई, दिनांक 31 दिसम्बर 1973

आदेश

विषय:—सर्वश्री दि इंडियन कार्ड क्लोदिंग कम्पनी प्रा० लि०, पिम्परी, पूना-18 को जारी किए गए आयात लाइसेंस सं० 8232076 दिनांक 4-9-1972 की सीमा-शुल्क निकासी प्रति को रद्द करना।

सं० आई-15/113136/टेक्स/पी II/ए एम-72/आई एण्ड एस/एल-4—सर्वश्री दि इंडियन कार्ड क्लोदिंग कम्पनी प्रा० लि०, पिम्परी, पूना-18 को अप्रैल 1971/मार्च 1972 अवधि के लिए निम्नलिखित के अनुसार आयात लाइसेंस जारी किया गया था :—

आयात लाइसेंस सं० और दिनांक	विवरण	मूल्य
पी/ए/8232076/सी/एक्स कार्ड क्लोदिंग एक्स/44/बी/33-34, दिनांक 4-9-72	एक्स कार्ड क्लोदिंग बायर	6,15,561/- रुपये (सामान्य मुद्रा क्षेत्र से)

अब उन्होंने 34,507/- रुपये के आंशिक मूल्य के लिए आयात लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति खो गई है। यह भी उल्लेख किया गया है कि मूल लाइसेंस सीमा-शुल्क कार्यालय, बम्बई में पंजीकृत कराया गया था और उन्होंने उसका उपयोग 5,81,054/- रुपये की सीमा तक कर लिया था।

इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक मजिस्ट्रेट से विधिवत् साक्ष्यांकित स्टाम्प पेपर पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

मैं संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस सं० 8232076 दिनांक 4-9-72 की सीमा-शुल्क निकासी प्रति खो गई है और निवेश देता हूँ कि आयात लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि बिना उपयोग किए गए मूल्य 34,507/- रुपये के लिए जारी की जानी चाहिए। उपर्युक्त आयात लाइसेंस की सीमा-शुल्क निकासी प्रति बिना उपयोग किए गए मूल्य 34,507/- रुपये के लिए रद्द की जाती है।

बी० सी० बनर्जी,

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

## आदेश

सं० लेदर/154/3-71/ई० पी० सी०-1—सर्वश्री ओरिएण्ट इन्डस्ट्रियल कार्पोरेशन, 230, बम्बई पूना रोड, पिम्परी, पूना-18 को नैफ्थेलीन, एडिपिक एसिड, टिटैनियम पोटेनियम आक्सेलेट तथा डिहाइड्राक्सी डाइफेनिल सल्फर के आयात के लिए चार लाइसेंस सं० पी/एम/2629101, पी/एम/2629102, पी/एम/2629103 तथा पी/एम/2629104 सभी का दिनांक 30-3-1972 है और मूल्य 47,382 रुपये, 20,748 रुपये, 45,114 रुपये तथा 39,328 रुपये के लिए जारी किए गए थे।

तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना सं० लेदर/154/3-71/ई पी सी-1 दिनांक 10-10-73 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि उनके नाम में जारी किए गए उपर्युक्त लाइसेंसों को धारा 9 (सी सी) के अन्तर्गत क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि पिछले कुछ समय उनके कारखाने में काम नहीं हो रहा है।

कारण बताओ सूचना का कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि फर्म ने उपर्युक्त कारण बताओ सूचना के लिए उत्तर देने में परवाह नहीं की थी।

ऊपर की कंडिका में जो कुछ बताया गया है उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अन्यथा रूप से अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए अधोहस्ताक्षरी आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9 उप-धारा (सी सी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री ओरिएण्ट इन्डस्ट्रियल कार्पोरेशन, 230, बम्बई पूना रोड, पिम्परी, पूना-18 के नाम में जारी किए गए लाइसेंस सं० पी/एम/2629101, पी/एम/2629102, पी/एम/2629103 तथा पी/एम/2629104 सभी का दिनांक 30-3-1972 है, एतद् द्वारा रद्द करता है।

आई० ए० रशीद  
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 2 जुलाई 1975

सं ई एस टी०-1-2(207)—वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई के निदेशक (नान टेक्नीकल) श्री ध्याम सुन्दर अग्रवाल सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर 31 मई, 1975 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

राजेन्द्र पाल कपूर  
वस्त्र आयुक्त

## विदेश व्यापार मंत्रालय

संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

मद्रास-1 दिनांक

## आदेश

विषय :—सर्वश्री बारी परफ्यूमरी वर्क्स, मद्रास को जारी किए गए लाइसेंसों की सीमा-शुल्क कार्य-संबंधी प्रतियों को रद्द करना।

मि० सं० कैम-37-लाइसेंस/ए जे-71/ई पी सी 3 तथा कैम-2/जे एम 72/ई पी सी-3—सर्वश्री बारी परफ्यूमरी वर्क्स, मद्रास को लाइसेंस सं० पी/एल/2628087/सी/एक्स एक्स 41/एम/33-34/बी-26, दिनांक 7-10-71 मूल्य 209 रु० तथा सं० पी/एल/2629073/सी/एक्स एक्स/43/एम/33-34/बी-26, दिनांक 22-4-72 मूल्य 558 रु० स्वीकृत किए गए थे।

2. उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंसों की अनुलिपि सीमा-शुल्क कार्य-संबंधी प्रतियों के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस खो गए हैं। उनके द्वारा आगे यह बताया गया है कि लाइसेंसों का उपयोग नहीं किया गया था और उन्होंने उन्हें किसी भी पत्तन पर पंजीकृत नहीं करवाया था। अपने तर्क के समर्थन में सर्वश्री बारी परफ्यूमरी वर्क्स, मद्रास ने अलग-अलग शपथ-पत्र दाखिल किए हैं।

3. मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस सं पी/एल०/2627087/सी/एक्स एक्स/41/एम/33-34/बी-26, दिनांक 7-10-71 तथा सं पी/एल०/2629073/सी/एक्स एक्स/43/एम/33-34/बी 26, दिनांक 22-4-72 की मूल सीमा-शुल्क कार्य-संबंधी प्रतियां खो गई हैं और निदेश देता हूँ कि आवेदक को अनुलिपि सीमा-शुल्क कार्य-संबंधी प्रतियां जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क कार्य-संबंधी प्रतियां रद्द की जाती हैं।

आई० ए० रशीद

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा-269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० 195/अर्जन/कानपुर/74-75/118—अतः मुझे,  
बाई० खोखर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो बाजीपुर उर्फ जाजमऊ कानपुर शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री शंकर लाल कनोडिया पुत्र श्री मंगल सिंह कनोडिया नि० 59/42, विरहाना रोड़ कानपुर। (अन्तरक)

2. श्री रजनीश अरोरा पुत्र श्री ओम प्रकाश अरोरा, नि० 122/50, कवाड़ी मार्केट, कानपुर/ब गंगादीन पुत्र टेनी, नि० कल्पानपुर ब सरदार आतम सिंह पुत्र सरदार नामक सिंह नि० 112/86, बम्बा रोड़, कानपुर व शशि भूषण घोष श्री अविनाश चन्द्र घोष नि० 61 तिवारीपुर जाजमऊ, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमिधरी 10265 बस का पूर्वी भाग रकबई 4 बीघा 8 बिस्वा नं० 102/88 जिसमें एक कमरा पक्का एक मंजिला बना हुआ है। आबादी नं० 264 ब नं० 266 जो बाजीपुर उर्फ जाजमऊ में स्थित है। इसका हस्तान्तरण रु० 37,000/- में किया गया है।

बाई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 16-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/832/75-76/567-  
यतः मुझे, च० बी० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1, सड़क नं० 18 है, जो पंजाबी  
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 5/2/1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जसबीर सिंह, सुपुत्र श्री गुरबक्स सिंह सेठी, निवासी  
जेड-20, पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री खारोती लाल थाल, सुपुत्र श्री राम प्यारा थाल,  
निवासी सड़क नं० 18, मकान नं० 22, पंजाबी बाग, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

• स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

## अनुसूची

भूमि के फ्री होल्ड प्लॉट का टुकड़ा जिसका नं० 1 है तथा जो  
क्लास 'डी' में सड़क नं० 18 पर है तथा जिसका क्षेत्रफल 365.2  
वर्ग गज है तथा जो कि निवासी कालोनी पंजाबी बाग से जानी  
जाती है और बसाए, दारापुर, दिल्ली स्टेट के गांव निम्न सिमाओं  
में स्थित है:—

पूर्व :— सर्विस लेन

पश्चिम :— सड़क नं० 18

उत्तर :— सड़क नं० 7

दक्षिण :— जायदाद नं० 3

च० बी० गुप्ते,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 5 मई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/830/75-76/566---

यतः मुझे, च० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी-15 (पूर्वी भाग) है, जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दर्शन कौर (श्रीमती) पत्नी श्री एल० श्री ध्यान सिंह बाबा, निवासी बी-15, कीर्ती नगर, नई दिल्ली, अपने लिए तथा जरनल एटार्नी (9) लोगों के लिए।
2. श्री मोहिन्द्र सिंह बाबा, सुपुत्र एल० श्री ध्यान सिंह
3. श्री जसवन्त सिंह बाबा, सुपुत्र एल० श्री ध्यान सिंह
4. श्री सुखबीर सिंह, बाबा, सुपुत्र एल० श्री ध्यान सिंह बाबा
5. श्रीमती तेज प्रकाश कौर रेखी, पत्नी एस० अमीक सिंह रेखी, निवासी ए-18, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली

6. श्रीमती तजीन्द्र कौर बधवा, पत्नी श्री जागिन्द्र सिंह बधवा, गाजियाबाद (यू० पी०) बधवा सर्पोंस का
7. श्रीमती जगदीन्द्र कौर, पत्नी श्री दाविन्द्र सिंह वकर, गली नं० 4, पटार गंज, नई दिल्ली
8. श्री गुरदीप सिंह बाबा, सुपुत्र श्री ध्यान सिंह बाबा, निवासी बी-15, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।
9. श्रीमती हरमिन्द्र कौर, पत्नी एस० सुरजीत सिंह, 230, विस्टल डराईव, सिलवर सर्पोंस, एम० डी०, यू०एस० ए०

10. डा० उजागर सिंह बाबा, निवासी शाबनी हाईट्स, बलूमस-बूर्ग, पी० ए० 17815, यू०एस० ए० (अन्तरक)

1. श्री राम गुलाटी, सुपुत्र श्री लादा राम गुलाटीर निवासी मकान नं० 3642, गली नं० 15, रहगरपुरा, कारौल बाग, नई दिल्ली, लेकिन अब बी-15, कीर्ती नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पूर्वी भाग का क्षेत्रफल 160 वर्ग गज है तथा जोकि एक मंजिला जायदाद पर जिसका नं० बी-15, कीर्ती नगर, नई दिल्ली में निम्न सीमाओं में स्थित है :—

पूर्व :— प्लाट नं० 16  
पश्चिम :— प्लाट नं० 14-ए  
उत्तर :— सर्विस लेन  
दक्षिण :— सड़क

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

दिनांक : 5 मई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० अं० ई० 5/193/74-75—यतः, मुझे, जे० एम०

मेहरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 104/ए/1,9317 वर्ग गज है, जो  
ग्रामिक चेंबुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 18-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री करमचंद प्रेमचंद प्रा० लि० (अन्तरक)
2. मैसर्स साराभाई केमिकल्स लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

बहुत बम्बई के बान्द्रा रजिस्ट्रेशन उप-जिले में बम्बई उप-  
नगर जिले के कुर्ला तालुका के ग्रामीक गांव में अवस्थित 4217  
वर्ग गज की प्लेट-भूमि का वह समूचा भू-खंड जिसकी पैमाइश  
9317 वर्ग गज अथवा उसके आस पास है तथा जिसका सर्वे  
नं० 104/ए/1 (पार्ट) है और जिसकी सीमाएं इस प्रकार हैं,  
उत्तर में अथवा उत्तर की ओर अहमदाबाद मैनुफैक्चरिंग और  
कैलिको प्रिंटिंग कम्पनी लि० की संपत्ति, दक्षिण में अथवा दक्षिण  
की ओर भू-स्ट्रिप, पूर्व में अथवा पूर्व की ओर सुहृद गेयगी ट्रेडिंग  
प्रा० लि० के सर्वे नं० 104 (पार्ट) की अन्य भूमि, तथा पश्चिम  
में अहमदाबाद मैनुफैक्चरिंग और कैलिको प्रिंटिंग कम्पनी लि०  
की संपत्ति का भाग—सर्वे सं० 107 (पार्ट) की भूमि।

जे० एम० मेहरा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बम्बई।

तारीख: 30-6-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० 14-डी०/अर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० ए/18 है, तथा जो निराला नगर चान्द गंज स्कीम लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धन पाल सिंह (अन्तरक)

2. श्रीमती दया रानी टन्डन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता लीज होल्ड प्लॉट नं० ए/18 जिसका रकबा 15750 वर्ग फिट है। जो कि निराला नगर चान्द गंज हाउसिंग स्कीम लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 24-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्रीमती कृष्ण सुन्दरी देवी शक्ता (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री अरविन्द थामस (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 24 जून 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

निर्देश सं० 47-ए/अर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० डी-64/29 ए मया जमीन है, जो ना० 1219 पुरवा शहर वाराणसी में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

एक किता मकान नं० डी-64/29-ए मया जमीन जिसका कुल रकबा 32,00 वर्ग फिट है। जो कि मो० शिव पुरवा वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 24-6-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री श्याम सुन्दर लाल श्रीवास्तवा (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री प्रेम शंकर दीक्षित और अन्य (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

लखनऊ, दिनांक 26 जून 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 29-पी०/अर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 630 है, जो राजेन्द्र नगर नवमार्ग शहर लखनऊ में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी, अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा या;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 630 जिसका रकबा 2566 वर्ग फिट है जो कि राजेन्द्र नगर नवा मार्ग शहर लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 26-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मई 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू-23-I-562(188)/(10-1)/  
74-75—यतः मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० प्लॉट नं० 112 है, तथा जो सुमेर क्लब, रोड, जामनगर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) शाह मूर चन्द एलियास मूलचन्द लखमशी हरिया, रसंगपुर गांव, जिला जामनगर

(2) शाह हरक चन्द लखमशी हरिया, रसंगपुर जिला जामनगर । (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सुमित्रा बेन मधुकान्त रानी मेडीकल प्रैक्टिशनर बेडी नाका रोड, जामनगर

(2) श्री मधुकान्त नरमैराम रानी बेडी नाका रोड, जामनगर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जो कि 6975 वर्ग फुट खुला प्लॉट है जो प्लॉट नं० 112 सुमेर क्लब रोड जामनगर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जामनगर के द्वारा 23-11-74 को रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2138 में प्रदर्शित है ।

वी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 26-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मई, 1975

निर्देश सं० ए० सी० स्यू० 23-I-427/187/16-6-74-  
75—यतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० प्लॉट नं० सी० सर्वे नं० 499 है, तथा जो ए० जी०  
आफिस के पीछे, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,  
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा  
269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित  
व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री पटेल भगवान, दूदाभाई 6, मनहर प्लाट,  
राजकोट (अन्तरक)

2. (1) श्री रसीक लाल गुलाबचन्द शाह जनता सोसायटी,  
राजकोट

(2.) जयन्तीलाल वृजलाल, कापड़ मार्केट, राजकोट

(3.) वृन्दावन मोहनलाल राज्यगर 3, जगन्नाथ प्लाट, राज-  
कोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जो 716-7-29 वर्ग गज खुला प्लाट है और  
जो प्लाट नं० सी० सर्वे नं० 449, ए० जी० आफिस के पीछे  
राजकोट में स्थित है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 26-5-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री श्याम बहादुर जीहरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री जगदीश प्रसाद व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

लखनऊ, दिनांक 17 जून 1975

निर्देश सं० 22-जे०/अर्जन—यतः मुझे विशम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० — है तथा जो मोहल्ला नरकुला गंज बरेली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12/11/1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
यह मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की, धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान का आधा भाग जिसका कुल रकबा 36.6  
वर्ग गज है। जिसमें 9 कमरे, मोटर गैरेज, गुसलखाना, पाखाना  
तथा आंगन आदि शामिल है। यह मोहल्ला नरकुला गंज बरेली में  
स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 17-6-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1975

निर्देश सं० 28/पी०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ .

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 2-बी है तथा जो राम मोहन राय मार्ग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-11-74 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री स्नेह ओदेदार (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रमोदनी खन्ना व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

एक कित्ता जमीन जिसका रकबा 6480 वर्ग फीट है । जिसमें कर्मचारी क्वार्टर तथा एक गैरेज भी शामिल है । जो कि 2-बी राम राय मार्ग लखनऊ में स्थित है ।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज

दिनांक : 13-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक, 7 जून, 1975

निर्देश सं० जी० आर जी/37/74-75/—अतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 65, इन्डस्ट्रीयल एरिया महरोली रोड फैक्टरी बिल्डिंग गुडगावा (हरियाणा) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगावा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (i) श्रीमती गारगी भल्ला पत्नी श्री अस० अल० भल्ला,  
(ii) श्री शशी कान्त भल्ला, पुत्र श्री अस० अल० भल्ला द्वारा श्री अस० अल० भल्ला मुख्तियारे राम, निवासी 4-ई, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली मालक इलाइट फूड्स और कैमीकल्ज, 65 इन्डस्ट्रियल कालोनी गुडगावां . (अन्तरक)

2. म० अगन इंडस्ट्रीज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड सी-373, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, द्वारा श्री आर० सी० अग्रवाल, डायरेक्टर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फैक्टरी बिल्डिंग जो प्लॉट नं० 65, इन्डस्ट्रीयल एरिया महरोली रोड, गुडगावां (हरियाणा) में स्थित है।

पूर्व — प्लॉट नं० 58 जो बस्ट काओपरेटिव इन्डस्ट्रीज का है।

पश्चिम:— 40 फुट चौड़ी सड़क

उत्तर:— प्लॉट नं० 66 (मनमोहन कैमीकल्ज)

दक्षिण:— प्लॉट नं० 64 (खाली) (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 3072, नवम्बर, 1974 में सब रजिस्ट्रार गुडगावां के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज चण्डीगढ़

दिनांक: 7-6-1975

मोहर:

प्रारूप आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज चण्डीगढ़

156, सेक्टर, 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 7 जून 1975

निदेश सं० जी० आर० आर०/37-ए०/74-75—अतः मुझे, जो० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 65, इन्डस्ट्रियल एरिया, महरोली रोड, है तथा जो गुड़गावा (हरियाणा) में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गावा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐनी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्रीमती गारगी भल्ला, पत्नी श्री अस० अल० भल्ला, (ii) श्री शाशी कान्त भल्ला, पुत्र श्री अस० अल० भल्ला, द्वारा श्री अस० अल० भल्ला, मुख्यतया रे आम, निवासी 4-ई, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, मालिक इलाइट फूड्स और कैमीकलज 65-इन्डस्ट्रियल कालोनी, गुड़गावा, (अन्तरक)

2. मे० अगन इजैन्सीज (इन्डिया) प्राईवेट, लिमिटेड, सी-373, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली द्वारा श्री आर० सी० अग्रवाल, मैनेजिंग डायरेक्टर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 65, इन्डस्ट्रियल एरिया, महरोली रोड, गुड़गावा (जैसे कि रजिस्ट्रीकरण के विलेख नं० 3071 नवम्बर, 1974 में सब रजिस्ट्रार गुड़गावा के दफ्तर में लिखा है।)

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़।

दिनांक 7 जून, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 19 मई 1975

सं० ए०-100/एस ऐच० जी०/75-76/503-12—अतः

मुझे, एगबर्ट सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दोकमेन्ट नं० 288 है तथा जो यूरोपियन वार्ड, शिलांग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिलांग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

4-166GI/75

1. श्रीमती आनन्दी देवी जैन वाइफ आफ श्री झूमर मल जैन, हाटीगोटा, फैन्सी बजार, गोहाटी। (अन्तरक)

2. श्रीमती ऊवारानी चुंधुरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हो तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन की नाप 11,600 वर्ग फीट जो कि 1700 वर्ग फीट जमीन के भाग जो प्लॉट नं० ई० 88 (पुराना), 28 (नया) मकान सहित (आसाम टाईग) यूरोपियन वार्ड, शिलांग, खासी हिल्स जिला, मेघालय प्रदेश में है।

एगबर्ट सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, शिलांग।

तारीख 19 मई, 1975

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अप्रैल 1975

सं० आर० ए० सी० 7/75-76—यतः मुझे, के० एस०  
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5-5-57/10 का पिछला भाग, कहलमंडी है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सेवा बाई पत्नी चिमन राम, 15-2-673, किशन गंज, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश सरड़ा पुत्र रामनिवास 21-3-140, टगारीनका, हैदराबाद (अन्तरिती)

3. मेमर्स रबी आईल मिल 5-5-57/10 कट्टल मंडी, गोशामहल, हैदराबाद (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति—घर सं० 5-5-57/10 का पिछला भाग कट्टल मंडी, गोशामहल, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 9 अप्रैल 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 211/ए० सी० क्यू०-23-317/6-1/74-75-  
अतः मुझे, पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बंगला नं० 17  
सर्वे नं० 41/1 है, तथा जो अमरकुंज सोसायटी, सुभानपुरा, बड़ोदा  
(रेस कोर्स सर्कल के पास) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 20-11-1974

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
न उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती ताराबेन रसीकलाल शाह अपने कुल मुखतार शांति-  
लाल नाथलाल पटेल दयावल भी खांचो, राजमहाल रोड़, बड़ोदा  
(अन्तरक)

2. श्री मनुभाई चतुरभाई पटेल, 24, श्री निकेतब, चौपाटी  
बंद स्टैंड, बम्बई-6— (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति से हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो 17, अमरकुंज सोसायटी, रेस कोर्स  
सर्कल, सुभानपुरा बड़ोदा सर्वे नं० 41/1 पर स्थित है जिसका  
कुल माप 6162 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
बड़ोदा के 20-11-74 को किए गए रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4922  
में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

दिनांक 11 अप्रैल, 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 अप्रैल 1975

सं० आर० ए० सी० 15/75-76—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-7-230 और 231 आगापुरा है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती अप्सरनसा बेगम पत्नी ऐम० इबराहीम अली हाउस नं० 11-5-561 (सी०-है-बी० नं० 627) रेडहील्स हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरस्वती बाई पत्नी मूलचन्द जी नं० 151-496 पीलकाना, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

के० एस० वेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख 28 अप्रैल 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 16 जून 1975

निर्देश सं० 15-बी/अर्जन—अतः, मुझे, विशम्भर नाथ,  
आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5-21/114-डी है तथा जो नील काटेज मलदहिया वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गिरीश चन्द मित्तल (अन्तरक)

2. श्री विन्ध्या चल गुप्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता तीन मंजिला मकान सं० 5-21/114-डी का आधा भाग जिसका क्षेत्रफल 1107 वर्ग फीट है जो कि मो० नील काटेज मलदहिया वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 16-6-1975

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 16 जून 1975

निदेश सं० 49-आर०/अर्जन—यतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5-21/114-डी है तथा जो नील काटेज मलदहिया वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गिरीश चन्द्र मित्तल (अन्तरक)

2. श्री राम नारायण (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता तीन मंजिला मकान नं० 5-21/114-डी का आधा भाग जिसका क्षेत्रफल 1107 वर्गफीट है जो कि मो० नील काटेज मलदहिया वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 16-6-75  
मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड

धारवाड, दिनांक 18 जून, 1975

निर्देश सं० 80/74-75/एक्यू०—यतः मुझे, आर० पार्थ-  
सारथी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, धारवाड  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 1-873/22 जो प्लॉट नं० 18 पर है, जो गुलबर्गा  
के स्टेशन बक्षार प्रदेश में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
गुलबर्गा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन डॉक्यूमेंट नं० 2231 के अन्तर्गत 23-12-1974 के दिन,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त अधि-  
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

डा० श्रीनीवासराव सन् ऑफ मानिकराव चिटगोप्पेकर,  
मेडिकल ऑफिसर, चित्रदुर्गा। (अन्तरक)

2. श्रीमती विजयाबाई पत्नी विनायकराव देशपांडे, डेपूटि  
डायरेक्टर ऑफ अग्रीकल्चर, 78-डी, पी० डब्ल्यू० डी० क्वार्टर्स,  
अयवान शाही रोड, गुलबर्गा। (अन्तरिती)

3. (1) डा० जी० बी० देसाई, प्रोफेसर ऑफ सर्जरी,  
मेडिकल कालेज, गुलबर्गा।

(2) डा० श्रीमती विवेक कोठारी, होस सर्जन्ट, गुलबर्गा  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,  
के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

नं० 1-873/22 का घर जो प्लॉट नं० 18 पर है और गुलबर्गा  
के स्टेशन बक्षार प्रदेश में स्थित है, जिसकी सीमाएं :—

पूरव में—श्री विठ्ठलराव जी के प्लॉट नं० 17।

पश्चिम में—रास्ता।

उत्तर में—पी० डब्ल्यू० डी० इंजीनियर का बिल्डिंग का पिछला  
हिस्सा।

दक्षिण में—20 फुट रास्ता।

आर० पार्थसारथी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड।

दिनांक 18 जून, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 जून 1975

निदेश सं० 50-आर०/अर्जन—अतः, मुझे, विशम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० 301 है तथा जो मो० बहादुर गंज,  
इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 23-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती श्यामा देवी (अन्तरक)

2. श्रीमती रामकली देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान का आधा भाग नं० 301 जिसका कुल रकबा  
1500 वर्ग गज है जो कि मो० बहादुर गंज, इलाहाबाद में स्थित  
है।

विशम्भर नाथ,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख 17-6-1975

मोहर:

प्ररूप आर्द्ध० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 जून 1975

निदेश सं० 41-बी/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 301 है, तथा जो मो० बहादुर गंज, इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5-166GI/75

1. श्रीमती श्यामा देवी (अन्तरक)

2. श्री बिमल कुमार दुबे व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 301 का आधा भाग जिसका कुल रकबा 1500 वर्ग गज है जो कि मो० बहादुर गंज, इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 17 जून 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री वैज नाथ प्रसाद व अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री मिश्री लाल (अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 17 जून 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

निर्देश सं० 5/एम०/अर्जन—अतः मुझे, बिशम्बर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० के० 63/168 है तथा जो मो० छोटी पियरी वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान दो मंजिला नं० सी० के० 63/168 जिसमें कुल 10 कमरे हैं। जो कि मो० छोटी पियरी शहर वाराणसी में स्थित है।

बिशम्बर नाथ,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 17-6-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, पूना 411004

पूना-411004, दिनांक 18 अप्रैल 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/बंबई(बसई)/नवम्बर, 74/191/  
75-76—यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० नं० 42 हिस्सा 2 तथा जो सातवली बसई जि० में  
थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
16-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कन्हैया लाल नानालाल जैन पारनाका, बसई, जि०  
थाना (अन्तरक)

2. श्री रघुनाथ प्रसाद, राधेलाल व अन्य 213, कामर्स  
हाउस, मेडोज स्ट्रीट, बंबई-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड जमीन सं० नं० 42, हिस्सा नं० 2, क्षेत्रफल—  
10926.55 वर्ग मीटर्स सातवली, तालुका—बसई, जि० थाना।

एच० एस० श्रीलख,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 18-4-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 जून 1975

निदेश सं० 52-एम०/अर्जन—अतः मुझे, विश्वम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो करीम उर्फ उलेड़ा बिजनौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बिजनौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स वी० पी० सिंह एण्ड कं० व अन्य (अन्तरक)

2. मेसर्स महालक्ष्मी शुगर वर्क्स (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका रकबा 250 वर्ग फिट है । जिसमें कमरे तथा चारों तरफ खाली जमीन है यह ग्राम करीम उर्फ उलेड़ा जिला बिजनौर में स्थित है ।

विश्वम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 17 जून 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 जून 1975

निर्देश सं० राज०/स० आयु० अर्जन/241—यतः मझे, एस० आर० वैश्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० विस्तृत वर्णन नीचे है तथा जो झालाना में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 नवम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, के लिए सुकर बनाना।

यतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री घनश्यामदास अग्रवाल पुत्र श्री ईश्वर दास अग्रवाल 49 डबसन रोड—हावड़ा (प० बंगाल) द्वारा उनके मुख्यार श्री हरीसिंह पुत्र ठा० बिजै सिंह निवासी 'सी' स्कीम, जयपुर (अन्तरक)

2. श्री पृथ्वीराज पुत्र सवाई मान सिंह 12, सिविल लाइन जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ग्राम झालाना चौड, दुर्गापुरा फार्म तह० सांगानेर जिला जयपुर स्थित खसरा नं० (पुराने) 92, 93 (पार्ट) 58, 59 एवं 60 वाली 27 बीघा 9 बिस्वा भूमि उपाबन्धी (appurtenances) सहित।

सीताराम वैश्य,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 4 जून, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-444 (200)/1-1/75-  
76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सब-प्लॉट नं० 2, फायनल प्लॉट नं० 386,  
टी० पी० एस० नं० 20 है, तथा जो गुलबाई टैकरा, आम्बावाडी,  
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 20-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए :—

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सीतादेवी परशोत्तम कामठ, गुलबाई टैकरा,  
आम्बावाडी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री प्रियकान्त एस० नगरशेट, मृदुल पार्क को-आपरेटिव  
हाउसिंग सोसायटी, आम्बावाडी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कराई हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक बंगला जो 600 वर्ग गज जमीन पर स्थित है और जिसका  
फायनल प्लॉट नं० 386, सब-प्लॉट नं० 2, टी० पी० एस० नं० 20  
है और जो गुलबाई टैकरा, आम्बावाडी, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 4 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जुलाई, 1975

निर्देश सं० XVI/1 (iii)/13/74-75—यतः, मुझे, जी०

वी० शाबक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० टी० एस० 51/2, 51/3 और 51/4, ताताकापट्टी  
सेलम है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 16 नवम्बर, 1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बी० मानिकम पिल्लै, सेलम (अन्तरक)

2. श्री आर० मुत्तु गोन्दर, सेलम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, ताताकापट्टी टी० एस० सं० 51/2, 51/3 और  
51/4 में 2.41 एका खेती का भूमि।

जी० वी० शाबक,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 3-7-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
KAKINADA

काकीनाडा, दिनांक 3 जुलाई 1975

Ref. No. J. No. 145(VSP)/74-75/Acq. File No. 203,—  
यतः, मुझे, B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-रु० से अधिक है और जिसकी सं०

10-5-1 Main Road, Waltair Upland, Sunnyside compound, Vizag.

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Visakhapatnam

में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख 15-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Dr. H. M. Lazurus  
D/o Daniel Lazurus,  
Waltair Uplands, Visakhapatnam.

(अन्तरक)

(2) P. Martin,  
"Sunny Side",  
Visakhapatnam.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

The Schedule property, namely land and building as shown in the sale deed No. 5298 of S.R.O., Visakhapatnam in the month of November, 1974.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख : 3-7-1975

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Smt. Penumasta Achayamma,  
W/o Sri Ramaraju, Narsapur.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

काकीनाडा, दिनांक 19 मार्च 1975

Ref. No. J. No. I(419)/WG/74-75/Acq File No. 178.—  
यतः, मुझे, K. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

Door No. 5-1-70 Madhavipalem, Narsapur

में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची

में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Narsapur

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

6—166GI/75

S/Shri

- (2) 1. G. Suramma,
2. G. Laxmikantam,
3. G. Suvarnamukhi,
4. Chittiammaji.

(3) Shri Adepalli-Suvaramachandrarao,  
Palakol.

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

West Godavari District—Narsapur Taluk—Narsapur Sub-Registrar—Narsapur Municipality—2nd Ward—Zirayati Dry—R.S. No.155/1 0-02 cents R.S. No. 155/2 0-05 cents—R.S. No. 155/3 0-24 cents—R.S. No. 155/4 0-12 cents—R.S. No. 155/5 Ac. 1-40 cents in that western side 0-44 cents—R.S. No. 155/19 0-19 cents in that western side 0-06 cents—6 plots—0-93 cents.

## BOUNDARIES

East : Site of M. Prakasam and R.T.C. Bus stand.

South : R.T.C. Busstand site &amp; Saladi Srirama-murthy site

West : Canal Road

North : Small Irrigation channel.

K. SUBBARAO,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinada.

दिनांक : 19 मार्च, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, KAKINADA

काकीनाडा, दिनांक 5 मई 1975

Ref. No. Acq. File No. 196/74-75/J. No. VSP.135/  
74-75—यतः मुझे, SAROJ KUMAR आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्  
'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक  
और जिसकी सं०

15-8-9, Beach Rd., Maharanipeta Ward, Visakhapatnam  
है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
Visakhapatnam

में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 30-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रति-  
शत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Sri P. Srirangacharyulu Ayyavararalu,  
Kanchara St., Visakhapatnam.

(अन्तरक)

(2) Sri Puvvada Venkateswara Rao,  
Prop. Lodge Paradise,  
Visakhapatnam.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उस बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए  
सुकर बनाना;

The property as per schedule in document No. 551  
of Visakhapatnam dated 25-11-74.

SAROJ KUMAR

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinaada.

तारीख : 5-5-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) Shri Vegesana Sivaramaraju,  
Magam (PQO), Amalapuram.

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

काकीनाडा, दिनांक 30 जून 1975

(2) 1. Dr. Penumatsa Subramanyaraju,  
S/o Vijayavenkataramaraju, Amalapuram2. Smt. Penumatsa Vijayalkshmi,  
W/o Dr. P. S. Raju,  
Amalapuram.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

Ref. No. J. No. 454(EG)/74-75/Acq. File No. 201.—

यतः मुझे, B. V. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधि-  
नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभम  
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं०3-2-21 and 21-2 Kuchimanchiagaharam, Amalapuram  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
Amalapuram

में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख 25-11-1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिये;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

Schedule property is land and building as per the re-  
gistered Document No. 4577/74 of S.R.O., Amalapuram.

B. V. SUBBARAO

सभम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख : 30-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

काकीनाडा, दिनांक 2 जुलाई 1975

Ref. No. J. Nos. 460 and 462/74-75/Acq. File No.  
202—यह: मुझे, B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०  
Door Nos. 2-2-1 and 2-2-2 Sivaraopeta, Bhimavaram  
है जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
Bhimavaram में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन December, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के  
लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए  
सुकर बनाना;

यह: अब, धारा 269-ग का उक्त अधिनियम के अनुसरण में,  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
आधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

S/Shri  
(1) 1. Penmetcha Satyanarayanaraju,  
S/o Ramaraju,  
2. Penmetcha Bangaraju,  
3. Penmetcha Sitaramaraju,  
4. Penmetcha Venkataramaraju,  
Sivaraopeta, Bhimavaram.

(Transferor)

2. Penmetcha Bangaraju,  
S/o Anandaraju,  
3rd Ward, Bhimavaram.

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,  
जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The Schedule property is land and building as regis-  
tered document Nos. 2837/74 and 2855/74 of S.R.O.  
Bhimavaram.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinda

दिनांक: 2-7-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(2) श्री एस० कमरुद्दीन और आदी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास-60006, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निर्देश सं० IV/15/15ए/74-75—यतः मुझे, के० बी०

राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० 450/बी2

को तैमंगलम, पलनी है, जो ..... में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पलनी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अबदुल हमीद, पलनी

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलनी, कोतैमंगलम एस० सं 450/बी० 2 में 1½ एकड़ का भूमि और मकान।

के० बी० राजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास।

दिनांक : 11-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 11-4-1975

निर्देश सं० VI/15/15बी०/74-75—यस: मुझे, के० बी० राजन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० 450/बी० 2, कोर्तमंगलम, पलनी है जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पलनी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिये या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हाजी एम० कादर मोहमद राबूनट, पलनी  
 (अन्तरक)

(2) श्री एस० कमरुद्दीन और आदी पलनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलनी, कोर्तमंगलम एस० सं० 450/बी० 2 में 1½ एकड़ का भूमि और मकान।

के० बी० राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 11-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16-4-1975

निर्देश सं० एक्स/12/17ए०/74-75—यतः मुझे, के० वी०

राजन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 101, पालम स्टेशन रोड, मदुरै है, जो ..... में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तत्त्वाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री पी० एल० एम० पलानयप्प चट्टीयार, विरैयाचील (अन्तरक)

(2) श्री तमिल मुरमु पबलिपरस (पी०) लिमिटेड मदुरै (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, पालम स्टेशन रोड डोर सं 101 में 45<sup>1/2</sup> सेन्ट और मकान (1/4 भाग) (टी० एस० सं० 1524/2)।

के० वी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 16-4-75

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पी० एल० एम० मुनलक्ष्म चेटीयार, (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० एक्स०/12/17 बी०/74-75—यतः, मुझे,  
50 बी० राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),  
जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
से अधिक है

जो जिसकी सं० 101, पालम स्टेशन रोड, मदुरै है, जो में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम में भारतीय  
जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
16 नवम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

2. तमिल मुरमुप बलिषरम (पी०) लिमिटेड, मदुरै  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, पालम स्टेशन रोड डोर सं० 101 में 45/3/4 सेन्ट और  
मकान (1/4 भाग) (टी० एस० सं० 1524/2)।

के० बी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 16-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पी० एल० एम० वेंकटाचलम, (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. तमिल मुरसु पब्लिशर्स (प्रा०) लिमिटेड, मदुरै।  
(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1975

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० एक्स/12/17 सी०/74-75—यतः मुझे, के० वी० राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 101 है, जो पालम स्टेशन रोड, मदुरै में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनकासी में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 नवम्बर,  
1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै पालम स्टेशन रोड और सं० 101 में 45 3/4 सेन्ट  
और मकान (1/4 भाग) (टी० एस० सं० 1524/2)।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7 | 166 GI/75

के० वी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

दिनांक : 16-4-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1975

निदेश सं० एक्स०/12/17 डी०/74-75—यतः, मुझे, के०  
बी० राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 101 मालम स्टेशन रोड, मदुरै है, जो  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय, तेनकासी में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16  
नवम्बर, 1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ब के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पी० एल० एम० सेक्कण् चेटीयार (अन्तरक)

2. तमिल मुरसु पब्लिशर्स (प्रा०) लिमिटेड, मदुरै (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मदुरै पालम स्टेशन रोड डोर सं० 101 में 45 3/4 सेन्ट और  
सकान (1/4 भाग) (टी० एम० सं० 1524/2) ।

के० बी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, मद्रास ।

तारीख : 16-4-1975 ।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पी० एन० सुन्दरस्वामी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती आर० प्रभा (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई, 1975

निर्देश सं० 2317/74-75—यतः, मुझे, जी० वी० स्नाबक  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

और जिसकी सं० 9/3 रामर कोयिल स्ट्रीट रामनगर, कोयम्बतूर-9  
में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकूमेन्ट  
सं० 4556/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 30-11-1974

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ;

कोयम्बतूर, राम नगर, रामर कोयिल स्ट्रीट डोर सं० 9/3  
(नया डोर सं० 11/3) में भूमि और मकान जिसका टी० एस०  
सं० 9/208।

अतः, अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

जी० वी० स्नाबक,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 4-7-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई, 1975

निर्देश सं० 2319/74-75---यतः मुझे, जी० बी० साबक,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 122, बालसुन्दरम चेट्टियार रोड, कोयम्बतूर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकूमेण्ट  
सं० 4358/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 15-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमती मेरि० श्रीनिवासन, बाम्बे-61, (अन्तरक)

2. श्री के० एस० सेल्वराज कुट्टपालयम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी है  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, किडनयपरम गांव, वार्ड सं० 2 में 14 सेण्ट  
और 181 स्क्वयर फीट का भूमि, जिसका टी० एस० सं० 10/  
1046 (जी० एस० सं० 261/1)।

जी० बी० साबक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख: 4-7-1975।

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1975

निर्देश सं० 2319/74-75—यतः मुझे, जी० वी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 122, बालसुन्दरम चेट्टियार रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बतूर, (डाकूमेण्ट सं० 4257/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती मेरि श्रीनिवासन, बाम्बे-61 (अन्तरक)

2. श्री आर० अरुमुगम, साऊत पुतुपालयम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कोयम्बतूर, वाडें सं० 2, किडनरायपुरम गांव में 10 सेन्ट और 405 स्क्वियर फीट का भूमि (मकान के साथ) जिसका टी० एस० सं० 10/1046 (जी० एस० सं० 261/1)।

जी० वी० झाबक,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 4-7-1975।

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

निर्देश सं० 2320/74-75—यतः मुझे, जी० बी० शाबक, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० सं० 1402/1 भाग अवनासि रोड़, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकूमेण्ट सं० 4189/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

1. श्री के० सन्तानम (अन्तरक)

2. श्री बी० एम० नरसिम्म चेट्टियार; 2 बी० एस० बाल-  
वेन्कटराम; 3. बी० एन० नटराजन; 4. बी० एन० दामोदरन;  
5. बी० एन० धोकुलदास; 6. बी० एन० प्रसन्नदास; और 7. बी०  
एन० राजकुमार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कोयम्बतूर, अवनासि रोड़ में एकड़: 1, सेण्ट: 37; स्क्वायर फीट: 248 का खाली भूमि जिसका टी० एस० सं० 1402/1।

जी० बी० शाबक,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख: 4-7-1975।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एम० कृष्णस्वामि और के० तंकवेल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वी० सुब्बयन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 2325/74-75—यतः मुझे, जी० वी० शाबक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 148/2, 149/2 और 150, कुनियमुतूर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेन्ट सं० 2692/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुनियमुतूर गाँव में 7.80 एकड़ का भूमि जिसका सर्वे सं० 148/2; 149/2 और 150;

जी० वी० शाबक,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास।

तारीख: 4-7-1975

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री जी० शंकर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री के० आर० कृष्णमूर्ति

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है ।

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निदेश सं० 2340/74-75—यतः मुझे, जी० वी० शाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 894/1बी० मेट्टूर रोड, ईरोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड (डाकुमेन्ट सं० 4716/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-11-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

ईरोड, मेट्टूर रोड, रेवेन्यू वार्ड सं० तीन, में 7035 स्क्वयर फीट का खाली भूमि जिसका टी० एस० सं० 894/1-बी ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

जी० वी० शाबक,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1975

निर्देश सं० 2385/74-75—यतः मुझे, जी० वी० श्रावक, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 54, भवानि मेयिन रोड भवानि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड (डाकुमेण्ट सं० 4747/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
8-166GI/75

1. श्री आर० एस० एस० शन्मुगम (अन्तरक)

2. श्री वी० एन० एस० मारिमुतु वेट्टियार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवानि, भवानि मेयिन रोड और सं० 54 में आधा भाग।

जी० वी० श्रावक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 4-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री आर० एस० एस० बालकृष्णन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री बी० एन० एस० मारिमूतु चेदियार (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 2385/74-75—यतः मुझे, जी० बी० झाबक,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 54, भवानि मेयिन रोड, भवानि में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड (डाकूमेण्ट सं० 4748/74)  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 20-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,  
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भवानि, भवानि मेयिन रोड, डोर सं० 54 में प्राधा भाग।

जी० बी० झाबक,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 4-7-1975

मोहर:

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, 156, सेंक्टर 9-बी चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 मई 1975

निवेश सं० सी० एच० डी०/211/74-75—प्रतः मुझे  
जी० पी० सिंह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है और जिसकी सं० शाप कम फ्लेट नं० 4, सेंक्टर 20-सी,  
है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख नवम्बर, 1974, को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री एम० डी० गरोवर, प्रिन्सिपल, डी० ए० वी० कालेज,  
आबोहर (अन्तरक)

2. (i) श्रीमती अरविन्द्र कौर पत्नी लेट श्री जी० एस० बेदी

(ii) श्रीमती अरविन्द्र कौर (माता और प्राकृतिक संरक्षक

(iii) श्रीमती अरविन्द्र कौर, श्री वरिन्द्र सिंह पुत्र  
(नाबालिग) और सोनू बेदी पुत्री (नाबालिग) निवासी 1619,  
सेक्टर 7-सी, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

3. मै० सचदेवा फुटवियर एस० सी० एफ० नं० 4, सेंक्टर  
20-सी, चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
इसद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तस्मील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काय में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप-कम-फ्लेट नं० 4, सेंक्टर 20-सी, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 22-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 156, सेंक्टर 9-बी चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 23 मई 1975

निदेश सं० आर० टी० के०/26/74-75—अतः मुझे, जी०

पी० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग, कोठी नं० 409, बी-111 वाई नं० 13, एम० सी० नं० 31 से 35, सिवल रोड रोहतक है तथा जो सिवल रोड रोहतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1974, को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमीर चन्द, निवासी कोठी नं० 409, बी०-111, सिवल रोड, रोहतक।

(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण लाल, पुत्र श्री बीर भान, निवासी मकान नं० 662, बी-1, डैरी मुहल्ला, नजदीक माता दरवाजा, रोहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० 409, बी०-111, वाई नं० 13, एम० सी० नं० 31 से 35, सिवल रोड, रोहतक (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2551, नवम्बर, 1974 में सब रजिस्ट्रार रोहतक के दफ्तर में लिखा है)

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 23-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 156, सैक्टर 9-बी, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 26 मई 1975

निदेश सं० सी० एच० डी०/222/74-75—अतः मुझे, जी० पी० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 20, सेक्टर 11-A, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डाक्टर एस० आर० के० चोपड़ा, मकान नं० 20, सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्रीमती अरुना सिंगल, पत्नी श्री आर० बी० के० सिंगल, 2-एफ. सैक्टर 12, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

3. (i) डा० ए० अरु० शास्त्री

(ii) डा० सी० पी० मलिक, निवासी मकान नं० 20, सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 20, सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 26-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 मई 1975

निदेश सं० एल० डी० एच०/सी०/503/74-75—अतः मुझे,  
जी० पी० सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी जमीन क्षेत्रफल 1 बीघा 16 बिसवे और 18 बिसवासी  
(पक्का) है जो बाडेवाल, अवाना तहसील लुधियाना, में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
दिसम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेजर करतार सिंह पुत्र श्री रत्ना सिंह, निवासी, बाडेवाल  
अवाना, तहसील लुधियाना (अन्तरक)

2. दि मिन्टगुमरी कालोनी हाऊसिंग सोसायटी, लुधियाना  
द्वारा श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री गुरदित्त सिंह, प्रधान और श्री हिम्मत  
सिंह पुत्र श्री लब्धा सिंह, खजानची, 422-एल, माडल टाऊन,  
लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 1 बीघा 16 बिसवे, और 18 बिसवासी  
पुक्ता जो कि बाडेवाल अवाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 7939, दिसम्बर, 1974,  
में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है)

खसरा नं० 1088/3-12-4, 1089/3-14-6, 1090/0-8-  
14, 1091/1-3-8, 1092/2-12-0, 1093/2-9-8

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 22-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 26 मई 1975

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/498/74-75—अतः मुझे,  
जी० पी० सिंह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव तर्फ सेखेवाल, तहसील  
और जिला लुधियाना, में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. (i) श्री सन्तोख सिंह  
(ii) श्री कुलवन्त सिंह पुत्रान् श्री जागीर सिंह  
निवासी सेखेवाल तहसील और जिला लुधियाना । (अन्तरक)

2. मै० गाडल लाईन कालोनाइजर्स प्रा० लिमिटेड, दीपक  
सिनेमा चौक, लुधियाना द्वारा सर्वश्री इन्द्रजीत सिंह, मैनेजिंग  
डायरेक्टर और शाम सिंह डायरेक्टर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 1 बीघा 1 बिस्वा 10 बिस्वासी जो कि गांव  
तर्फ सेखेवाल तहसील और जिला लुधियाना में है ।

खसरा नं० 735/59, 735/1-4-15, 56/1-3-10, 58/  
6-18-8, 61/6-1-0

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 7745, दिसम्बर, 1974 में  
सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है )

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 26 मई 1975

मोहर :

प्रस्ताव आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 26 मई 1975

निदेश सं० एल० डी० एच०/सी० 508/74-75—अतः मुझे,  
जी० पी० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम पदाधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव सेखेवाल, तहसील और  
जिला लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख जनवरी, 1975 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
( 1922 का 11 ) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (i) श्री सन्तोष सिंह

(ii) श्री कुलवन्त सिंह पुत्रान् श्री जागीर सिंह निवासी  
सेखेवाल, तहसील और जिला लुधियाना (अन्तरक)

2. मै० माडल लाइन कालोनाईजर्स प्रा० लिमिटेड दीपक  
सिनेमा चौक, लुधियाना, द्वारा सर्वश्री इन्द्रजीत सिंह, मैनेजिंग  
डायरेक्टर और शाम सिंह डायरेक्टर (अन्तरिती)

. को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभा-  
षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन, क्षेत्रफल 1 बीघा 14 बिस्वे और 3-1/6 बिस्वासी,  
जो कि गांव तर्फ सेखेवाल, तहसील और जिला लुधियाना में है ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 8103, जनवरी 1975 में  
सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है)

खसरा नं० 735/59/1-4-15, 55 मिन/1-3-10-1/6,  
58/0-18-8, 62/0-1-0

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 26 मई, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 26 मई 1975

निदेश सं० एल० डी० एच०/सी०/519/74-75--प्रतः  
मुझे जी० पी० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तर्फ कारा बारा, तहसील लुधियाना, में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

9-166GI/75

1. श्री भाग सिंह पुत्र श्री हरी सिंह, कारा बारा, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

2. मै० न्यू इण्डिया कालोनाईजर्स, 55, भादौड़ हाऊस, लुधियाना, द्वारा श्री बाल कृष्ण। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूचा

जमीन, क्षेत्रफल 7 कनाल 6 मरले, जिसका खसरा नं० 20/17/2, 17/3, 20/17/1, 20/24, तर्फ कारा बारा, तहसील और जिला लुधियाना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 8530, जनवरी 1975, में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है)।

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 26 मई, 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 26 मई 1975

निदेश सं० एल० डी० एच०/सी०/520/74-75-अतः मुझे,  
जी० पी० सिंह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तर्फ कारा बारा, तहसील  
लुधियाना में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जनवरी, 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भाग सिंह, पुत्र श्री हरी सिंह, गांव कारा बारा, जिला  
लुधियाना। (अन्तरक)

2. मै० न्यू० इण्डिया कालोनाइजर्स 55, भादोड़ हाऊस,  
लुधियाना, द्वारा श्री बाल कृष्ण (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, क्षेत्रफल 3 कनाल 8 मरले, जिसका खसरा नं० 20/25,  
गांव तर्फ कारा बारा, तहसील और जिला लुधियाना (जैसे कि  
रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 8566, जनवरी, 1975 में सब रजिस्ट्रार  
लुधियाना के दफ्तर में लिखा है)

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 26 मई 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 मई 1975

निदेश सं० एल० डी० एच०/सी०/561/74-75—अतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और और जिसकी सं० मकान नं० बी-20/1134, क्षेत्रफल 672 वर्ग गज में से 205 1/3 वर्ग गज है तथा जो तर्फ कारा बारा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन; तारीख फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कर्नल जय सिंह, पुत्र श्री जेर सिंह, निवासी बी-XX/1134, गुरदेव नगर, लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्रीमती राजिन्द्र कौर पत्नी श्री उपिन्द्र सिंह निवासी सराभा नगर, लुधियाना श्रव मकान नं० बी-XX/1134, गुरदेव नगर, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां पुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—'

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी०-20/1134, जिसका क्षेत्रफल 672 वर्ग गज है उसमें से 205 1/3 वर्ग गज जो कि तर्फ कारा बारा, तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 9170, फरवरी 1975 में, सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।)

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 22-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानिब, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 मई 1975

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/562/74-75--

अतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० बी०-20/1134, क्षेत्रफल 672 वर्ग-गज में से 261 1/3 वर्ग गज है तथा जो तरफ कारा बारा, तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयत्न :—

1. कर्नल जय सिंह, पुत्र श्री शेर सिंह,  
निवासी बी०-XX/1134,  
गुरदेव नगर, लुधियाना

(अन्तरक)

2. श्री गुरदीप सिंह, पुत्र सरदार बलवन्त सिंह  
निवासी, 11-एफ०,  
सराभा नगर, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संक्षेपः :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी०-20/1134, जिसका क्षेत्रफल 672 वर्ग-गज है उसमें से 261 1/3 वर्गगज जो कि तरफ कारा बारा, तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 9431, फरवरी 1975 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफतर में लिखा है।)

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 22-5-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 मई 1975

निदेश सं० एल० डी० एच०/सी०/563/74-75/—अतः  
मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन  
रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० बी०-20/1134, क्षेत्रफल 672  
वर्ग गज में से 2051/3 वर्गगज है तथा जो तर्फ कारा बारा,  
तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे,  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-  
रको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे  
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अन्तर्गण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कर्नल जय सिंह पुत्र शेर सिंह,  
निवासी बी०-XX/1134,  
गुरदेव नगर लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री गुरमीत सिंह, पुत्र श्री बलबन्त सिंह,  
निवासी 11-एफ,  
सराभा नगर, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

मकान नं० बी०-20/1134, जिसका क्षेत्रफल 672 वर्ग-  
गज है उसमें से 2051/3 वर्ग गज जो कि तर्फ कारा बारा,  
तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 9513, फरवरी 1975  
में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।)

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 22-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 16 मई 1975

निदेश सं० ए०-97/जे०आर० ती०/75-76/-468-79

अतः मुझे एगबर्त सिंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की

धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी

को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० पी० पी० नं० 358, दाग नं० 1988 है तथा जो ब्लॉक नं० 6 जोरहाट टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोरहाट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-11-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री हेमेश्वर प्रोसाद बरुवा,
- (2) श्री मोहन प्रोसाद बरुवा,

(3) श्रीमती श्रीजुता कमल कुमारी

बरुवा, सब जोरहाट टाउन से

(अन्तरक)

2. श्री रामनिवास मोड़ी,

ए० टी० रोड, जोरहाट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(1) जमीन के माप 17 लेचा (सतरह) जो कि नई 30 साल दाग नं० 1988 उस के भीतर नई 30 साल पी० पी० नं० 358 ब्लॉक नं० 6 जोरहाट टाउन जो कि म्युनिसिपल के साथ में चलाई हुई होलदिंग नं० 179 (पुराना), वार्ड नं० 5 और 208 (नया) का वार्ड नं० 4, जोरहाट म्युनिसिपल बोर्ड और उत्तर में घेरी हुई है :—

थाकुरबारि और भेन्दोस जमीन, पूर्व में जमुना राम त्रिदिचन्द, पश्चिम में विदवलुदि जमीन और दक्षिण में भेन्दोरस जमीन।

(ख) (1) एक मुख्य दुकान 14'×20' के 12'×14' भरनदाहा और आगे में ईंट का पक्का दिवाल चारों तरफ और सि० आई० सित का छत।

(2) एक रसबई कमरा 12'×12' सि० आई० सित का छत और ईंट का पक्का दिवाल।

(3) पक्का पाईखाना।

(4) एक कमपाउन्ड ईंट का दिवाल और पिसाबखाना।

(ग) (1) एक माल घर 12'×12'।

(2) दो ताला रहने वाली मकान 12'×15'।

एगबर्त सिंग,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 16-5-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बम्बई 1

बम्बई, दिनांक 13 जून 1975

निदेश सं० आई०-1/983-10/अक्तूबर 74—अतः मुझे एम० जे० माथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 4/207 परेल शिवरी डिवीजन है, जो शिवरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार बम्बई रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षों :—

1. श्री रामचन्द्र, मनिलाल शहा और अन्य (अन्तरक)
2. श्रीमती लक्ष्मीबाई नारायण चौधरी (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

बम्बई के सिटी एण्ड आइलैण्ड रजिस्ट्रेशन सबडिस्ट्रिक्ट में, शिवरी स्थित ठाकरसे रोड के पश्चिम में टोका टेन्योर का 1506 वर्गमीटर अथवा उसके समीपस्थ (अर्थात् 1800 वर्ग गज) वह समूचा भूखण्ड अथवा भूभाग अथवा भूस्थल, उसपर यथा स्थिति एवम् यथा अवस्थित भवन एवम् संरचनाओं समेत, जो भू राजस्व समाहर्ता की पुस्तकों में पंजीकृत परिसर संख्या डी०/ 6213, नया नं० 9/14233, 14359, 14381, 2/14235, 14377, 3/14385, 14062 और 14391, पुराना सर्वे० नं० 1अ/2383, 1द/2414 (पार्ट), 2/2414, 1/2415, 1ख/2379, 1/2415, 1/2378 का भाग है और जिसका परेल शिवरी डिवीजन केन्डेन्ट्रल सर्वे संख्या 4/207 और जिसका मूल्यांकन म्युनिसिपल रेट एवम् टैक्स एसेसर तथा क्लैकटर द्वारा दक्षिण वार्ड सं० 1117 (5-डी०) और स्ट्रीट नं० 45— डी० ई० ठाकरसे जीवराज रोड के अधीन किया गया है, तथा जिसकी सीमायें इस प्रकार घिरी हुई हैं अर्थात् उत्तर में परेल शिवरी डिवीजन के कैंडिस्ट्रल सर्वे सं० 204 वाली परिसम्पत्ति से, पूर्व में ब्लूटी आर्ट० डायर्स एण्ड क्लीनर्स प्राईवेट लिमिटेड की सम्पत्ति से, दक्षिण में अंशतः गुलाबचन्द गोपालदास सिराज की सम्पत्ति से और अंशतः स्वान मिल्स लिमिटेड की सम्पत्ति से, और पश्चिम में प्रवीणचन्द्र सावेरीलाल इंजीनियर एवम् एक अन्य की सम्पत्ति से और अंशतः स्वान मिल्स लिमिटेड की सम्पत्ति से जो अब बम्बई नगरीय और बम्बई उपनगरीय डिस्ट्रिक्ट और रजिस्ट्रेशन सब-डिस्ट्रिक्ट में है।

एम० जे० माथन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई।

तारीख : 13 जून 1975

मोहर :

प्ररू आई० टी० ए० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जून 1975

निर्देश सं० आई-1/964-4/अक्तूबर, 74—अतः मुझे  
एम० जे० माथन  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 1276 है, जो राजन  
विलेज, बांद्रा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब  
रजिस्ट्रार बम्बई भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 7-10-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पेट्रोनिला टेरेसा डी० सा० (अन्तरक)  
और अन्य
2. परिषद को० आपरेटिव हाऊसिंग (अन्तरिती)  
सोसायटी लि०

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

बम्बई उपनगरीय जिले के बांद्रा के पंजीकरण उप-  
जिले में राजन विलेज बांद्रा में उपस्थित क्रम संख्या 280 हिस्सा  
नं० एल० सी० टी० एस० नं० 1276 का वह समूचा भूखण्ड एवम्  
भू-भाग अथवा स्थल, आसामी—गुहवाटिकाओं अथवा यहां बने  
हुए निवास-गृहों समेत, जो माप में 663 वर्गगज यानी 554.35 वर्ग  
मीटर के बराबर अथवा उसके आसपास है, और जिसकी सीमायें  
पूर्व में अथवा पूर्व की ओर अंशतः क्रम संख्या 280 हिस्सा नं० 5  
और सी० टी० एस० नम्बर 1277 और अंशतः क्रम संख्या  
6 और सी० टी० एस० संख्या 1276 से, पश्चिम में अथवा  
पश्चिम की ओर क्रम संख्या 280 हिस्सा सं० 4 सी० टी० एस०  
नं० 1275 से, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर क्रम संख्या 279  
हिस्सा नं० 4, और दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर क्रम सं०  
280 हिस्सा नं० 12 सी० टी० एस० नं० 1275 से घिरी हुई  
है।

एम० जे० माथन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
तारीख : 13-6-75 अर्जन रेंज, बम्बई।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एरणाकुलम कोच्चिन-11

एरणाकुलम दिनांक 8 जुलाई 1975

निर्देश सं० एल० सी० सं० 43/75-76—यतः

मुझे, एम० एम० कुरुप

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वेक्षण संख्या (अनुसूची के अनुसार) है तथा जो कोतकुलमरा विलेज, अंगमाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकाारी के कार्यालय सरणाकुलम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1968 का 16) के अधीन, तारीख 30-10-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10—166G1/75

1. श्री के० एम० सेविया, (अन्तरक) ;  
कारकाट्टु हाउस, अरवाय

2. श्री पी० एन० राधाकृष्णन,  
मानेजिंग पार्टनर,  
[(कमला एन्टरप्राइसेस,  
अंगमाली के लिए) (अन्तरिती) ;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोतकुलमरा विलेज के० सं० सं० 312/1बी०/1, 312/अ/1, 311/12/4, 6/2/5, 6/1अ/2 में 3 एकड़ 94 सेन्ट्स भूमि तथा निर्माणशाला (फैक्टरी बिल्डिंग्स) ।

एम० एम० कुरुप,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम ।

तारीख: 8-7-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश नं० 34/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 17/1-ए है तथा जो ग्राम अकथापाडेपुर वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-12-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम केदृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती बाराचर्णा देवी,

(अन्तरक)

2. श्री बहण श्रीवास्तावा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 17/1-ए जिसमें 5 कमरे हैं जो प्लॉट नं० 856 पर एक बीघा 12 बिस्वा 2 धूर पर ग्राम अकथा-पाडेपुर सारनाथ रोड वाराणसी पर स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 9-7-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 जून 1975

निर्देश सं० अर्जन/205/कानपुर/74-75/579---अतः मुझे  
एफ० जे० बहादुर,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो 87/9  
भग्नाना पुरवा कालपी रोड कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 28/10/74  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. डब्ल्यू० सी० डी० नोरोन्हा, 17/9, स्टेनविल हाउस दी माल  
कानपुर-1 (अन्तरक)
2. श्री गयाप्रसाद पुत्र राम खिलावन 35/135, इटावा बाजार  
कानपुर/श्री हुकामचन्द पुत्र श्री सूरज प्रसाद 30/97 महेश्वरी  
मोहाल, कानपुर श्री सिद्धेश्वर चौरसिया पुत्र श्री राम नारायण  
चौरसिया 55/54, काहू कोठी कानपुर। श्री राम कृष्ण द्विवेदी पुत्र  
श्री मथुरा प्रसाद द्विवेदी। श्री वीरेन्द्र कुमार द्विवेदी पुत्र श्री रामकृष्ण  
द्विवेदी 32/15, चूड़ी मोहाल कानपुर। श्रीमती केवल पति देवी  
पत्नी रामराज जयसवाल 109/200 जवाहर नगर कानपुर।

श्रीमती सन्तोष अरोरा पत्नी कृष्ण लाल अरोरा, 31/6 घुमनी  
बाजार कानपुर। श्री रामकुमार, शिवकुमार जयसवाल पुत्र स्व०  
कमलेश्वर जयसवाल 30/96 महेश्वरी मोहाल कानपुर। श्री कृष्ण,  
चन्द्र कुमार और राजकुमार जयसवाल पुत्रगण  
श्री मिलाकीराम जयसवाल 29/60 महेश्वरी मोहाल  
कानपुर। श्रीमती जनकदुलारी जयसवाल पत्नी मोतीलाल  
जयसवाल, 31/6 घुमनी बाजार कानपुर। श्री वसन्तलाल और  
श्री सन्तलाल पुत्र श्री रामेश्वर प्रसाद जयसवाल, 29/43,  
घुमनी बाजार कानपुर। श्रीमती भवन देई पत्नी श्याम देव  
जयसवाल 108/180, राम बाग कानपुर। श्रीमती रानी देवी  
शुक्ला पत्नी अयोध्या प्रसाद शुक्ला 119/69 ए० नसीमाबाद  
कानपुर। श्रीमती ऊषारानी पत्नी श्री रामनारायण जयसवाल  
118/423, कौशलपुरी कानपुर। रामनारायण जयसवाल पुत्र  
सूरज नारायण जयसवाल 47/19, मनी राम, वगिया कानपुर।  
श्रीमती सावित्री देवी पत्नी दुली चन्द, जयसवाल 30/97,  
महेश्वर मोहाल, कानपुर। श्रीमती विमला देवी पत्नी  
कृष्णकुमार उपाध्याय 87/31, आचार्य नगर कानपुर। श्रीमती  
श्याम दुलारी पत्नी राम कुमार जयसवाल, 30/35 चूड़ी  
मोहाल कानपुर। (अन्तरिती)

3. श्री स्टेनली डे नोरोन्हा (जूनियर), मिस चारी डे नोरोन्हा  
मिस व्युलेट डे० नोरोन्हा वारिस स्व० श्री पी० सी० डे नोरोन्हा।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोह-  
स्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में  
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जिसका नं० 87/9 है जो भग्नाना पुरवा,  
कालपी रोड कानपुर में स्थित है। इसका क्षेत्र फ० 3553.39  
वर्ग गज है इसका हस्तान्तरण रु० 3,00,000/- में, किया  
गया है।

एफ० जे० बहादुर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 2-6-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली- , कार्यालय

नई दिल्ली- , दिनांक 5 मई 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/829/75-76/565

—यतः, मुझे, च० बी० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एम०-39/सी० है, जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-11-1974

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री करतार सिंह, सुपुत्र एस० सौदागर सिंह, एम०-39/सी०, लेकिन अब जेड-1/ए, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री डा० सीता राम मोनगिया, सुपुत्र स्वर्गीय श्री सत्या बरत, निवासी डाकखाना जसपुर, जिला ननीताल (यू० पी०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/1/2 मंजिला मकान जिसका क्षेत्रफल 192 वर्ग गज है तथा जिसका नं० एम०-39/सी० है तथा राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में नजफगढ़ रोड पर निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व :— सविस् लेन

पश्चिम :—सविस् लेन

उत्तर :—सड़क

दक्षिण :—मकान नं० एम०-39/बी०

च० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 5 मई, 1975।

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 27th May 1975

No. A.32013/1/75-Admn.I.—Shri A. Gupta, a permanent officer of grade I of the Central Secretariat Service appointed to officiate in Selection Grade of the Service, vide this office Notification No. A.32013/1/75-Admn.I. dated 20th May, 1975, relinquished charge of the office of Deputy Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 24th May, 1975.

2. On his reversion, Shri A. Gupta resumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 24th May, 1975.

The 30th June 1975

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. R. Ahir, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for the period from 2-6-1975 to 30-8-1975 or until further orders, whichever is earlier.

No. A-32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. R. Ahir, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for the period from 14-4-75 to 24-5-75.

2. Shri R. R. Ahir relinquished charge of the office of Under Secretary with effect from the afternoon of 24th May, 1975.

3. On his reversion, Shri Ahir resumed the charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of 24th May, 1975.

P. N. MUKHERJEE  
Under Secy.

New Delhi-110011, the 27th June 1975

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Miss S. T. Keswani, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for the period of 89 days with effect from 12-5-75 to 8-8-75 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri T. D. Joshi, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 62 days with effect from 19-5-75 to 19-7-75.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secretary,  
(Incharge of Administration)

## CABINET SECRETARIAT

## DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110001, the 27th June 1975

No. B-53/65-Ad.V.—Consequent on his proceeding on 91 days leave preparatory to retirement with effect from 2-6-75, Shri B. S. Rama Rao, Dy. Supdt. of Police/C.B.I., S.P.E. relinquished charge of the office of Dy. S.P./CBI/SPE Bangalore Branch on the afternoon of 31-5-75.

He retires from Govt. Service on superannuation w.e.f. 31-8-75 (A.N.).

The 3rd July 1975

No. R-13/72-AD.V.—Shri Rajendra Mohan, Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, relinquished charge of his office of Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation on the afternoon of 31-5-75 on repatriation.

The 5th July 1975

No. A-19036/6/75-AD.V.—Consequent on his selection to the Indian Police Service, the resignation tendered by Shri Raj Mohinder Singh Brar, Dy. SP/CBI (under Training) has been accepted with effect from 13-6-75 (Afternoon).

Shri Brar, Dy. SP/CBI (under training) at N.P.A. Hyderabad relinquished the charge of his office on the afternoon of 13th June 1975.

No. A-19021/6/75-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri U. N. Biswas, an IPS officer of West Bengal Cadre, as Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation w.e.f. forenoon of 11-6-1975, until further orders.

G. L. ACARWAL,  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

(DEPARTMENT OF PERSONNEL)  
ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 17th June 1975

No. A-11/10/75.—Shri S. P. Shukla, Inspector Income Tax, New Delhi is appointed to officiate as Enforcement Officer on deputation in Delhi Zonal Office of this Directorate, with effect from 31-5-75 (AN) and until further orders.

The 23rd June 1975

No. A-11/9/75.—Shri S. D. Patil, Superintendent of Central Excise Kurla, Bombay is appointed to officiate as Chief Enforcement Officer in Bombay Zonal Office of the Enforcement Directorate with effect from 31-5-75 (forenoon) and until further orders.

S. B. JAIN,  
Director.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 2nd July 1975

No. 11/5/75-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri M. L. Sharma, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh as Deputy Director of Census Operations in the same office on a purely and ad-hoc basis for a period of six months with effect from 1 June 1975, or until further orders, whichever is earlier.

2. The Headquarters of Shri Sharma will be at Bhopal.

BADRI NATH,  
Deputy Registrar General, India  
& ex-officio Deputy Secretary.

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 21st June 1975

No. E-31013(2)/5/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector CD Raj to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Fertilizer Corporation of India, Sindri with effect from the Forenoon of 28th May, 1975, until further orders, who assumed the charge of the said post with effect from the same date, vice Shri Ishwar Singh, who relinquished the charge of the above post with effect from the same date.

No. E-38013(2)/4/75-Ad.I.—On transfer to Calcutta Port Trust, Shri A. C. Roy, relinquished the charge of the post of Group Commandant, Central Industrial Security Force, Calcutta with effect from afternoon of 3rd June 1975 and Shri S. Sen, Assistant Inspector General (Eastern Zone), Central Industrial Security Force, Calcutta assumed the additional charge of the said post with effect from the same date.

No. E-38013(2)/4/75-Ad.I.—On transfer from Calcutta, Shri A. T. Thiruvengadam, assumed the charge of the post of Commandant Central Industrial Security Force Unit, Alloy

Steel Plant, Durgapur with effect from Afternoon of 4th June 1975 vice Shri R. K. Niyogi, who relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

The 23rd June 1975

No. E-33013/2/74-Ad.I.—On acceptance of his resignation Lt. Col. O. D. Bakshi relinquished the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force, Bokaro Steel Limited, Bokaro with effect from the afternoon of 24th March 1975.

The 26th June 1975

No. E-29018(2)/1/75-Ad.I.—Shri K. N. Kapoor, IPS, Commandant Central Industrial Security Force, Unit, Security Paper Mill, Hoshangabad with HQrs. at New Delhi, relinquished the charge of the post with effect from the Forenoon of 1st June, 1975 and assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bharat Heavy Electricals Limited, Hardwar, with Headquarters at New Delhi with effect from the Forenoon of the same date.

No. E-29018(2)/1/75-Ad.I.—Shri K. Ramamurti, IPS, Dy. Inspector General, Central Industrial Security Force (Southern Zone), Madras relinquished the charge of the post with effect from the Afternoon of 19th June 1975 and assumed the charge of the said post with Headquarters at New Delhi with effect from the Forenoon of 20th June 1975.

L. S. BISHT,  
Inspector General.

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 25th June 1975

No. O-II-1011/75-Estt(CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Bichitrananda Behera as J.M.O. in the CRP Force, on an *ad hoc* basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 21st April 1975.

2. Dr. Bichitrananda Behera, is posted to Group Centre, C.R.P.F., Nagpur.

No. O-II-1008/75-Estt(CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Ramesh Chandra Mohanty as J.M.O. in the CRP Force, on an *ad-hoc* basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 22nd April, 1975.

2. Dr. Ramesh Chandra Mohanty, is posted to R.T.C., II, C.R.P.F., Avadi (Madras).

The 26th June 1975

No. F.2/34/75-Estt(CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on *ad-hoc* basis, Shri R. S. Yadav, Dy. SP (Coy. Comdr/Quarter Master) as Assistant Commandant in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. He handed over charge of the post of DY. SP(Coy. Comdr/Quarter Master) 17th Bn CRPF on the afternoon of 17th May, 1975 and took over charge of the post of Assistant Commandant 44th Bn CRP Force on *ad-hoc* basis on the forenoon of 20th May, 1975.

The 27th June 1975

No. O-II-722/69-Estt(CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on *ad-hoc* basis Dr. G. C. Salshandani, GDO Gd. II as GDO Gd. I in the CRP Force till further orders.

2. He handed over charge of the post of GDO Gd. II Base Hospital, CRPF, New Delhi on the afternoon of 23rd May, 1975 and took over charge of the post of GDO Gd. I Group Centre, CRPF Neemuch on *ad-hoc* basis on the forenoon of 26th May, 1975.

The 1st July 1975

No. F.3/22/74-Estt(CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on *ad-hoc* basis, Shri V. Krishnaswamy, Asstt. Comdt, as Commandant in the CRP Force until further orders.

2. Shri V. Krishnaswamy handed over charge of the post of Assistant Commandant, GC CRPF, Avadi on the afternoon of 7-6-75 and took over charge of the post of Commandant 17th Bn CRPF on *ad-hoc* basis on the afternoon of 13-6-75.

The 2nd July 1975

No. F.8/8/75-Estt(CRPF).—Consequent on the acceptance of his resignation, Shri K. S. Yadav, DY. SP (Coy. Comdr/Q.M.) 9th Bn CRP Force, relinquished charge of his post on the afternoon of 26th May, 1975.

No. O-II-130/75-Estt(CRPF).—The President is pleased to appoint on deputation Major Gurdial Singh an officer of the Indian Army as Assistant Commandant in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post of Asstt. Comdt. 1st Signal Bn CRP Force on the forenoon of 16th June, 1975.

The 4th July 1975

No. D.I-3/74-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri R. K. Singh an officer of the U.P. Police as DY. SP (Coy. Comdr/QM) in the CRPF in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post of DY. SP (Coy. Comdr/QM) in the Dte. General CRPF on the forenoon of 6th June, 1975.

The 5th July 1975

No. O-II-89/69-Estt.—Consequent on the expiry of his term of re-employment in the CRPF, Lt. Col. D. K. C. Dutta, (Retd) relinquished charge of the post of Commandant 56th Bn CRP Force on the afternoon of 6th June, 1975.

S. N. MATHUR,  
Assistant Director (Adm.)

#### SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad, the 26th June 1975

No. 41/4/73-Estt.—On transfer from Aviation Research Centre, Directorate General of Security (Cabinet Secretariat), Government of India, Shri B. S. Sastry (1964) IPS of Kerala Cadre, assumed charge as Assistant Director in the Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy from the forenoon of 14th June, 1975.

HARPAL SINGH,  
Dy. Director (Admn.)

#### DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 25th June 1975

No. A.21/25/71-Wireless.—Consequent on his reversion to Ministry of Defence, Shri J. P. Mathur relinquished charge of his duties as Extra Assistant Director (Cipher) in the Directorate of Coordination (Police Wireless) on the forenoon of the 18th June, 1975.

C. P. JOSHI,  
Director  
Police Telecommunications

#### DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 30th June 1975

No. S(44)AIII/AII.—Shri Joginder Singh, Overseer, has been appointed to officiate as Assistant Manager (Technical), in the Govt. of India Press, (K S Roy Rd. Unit) Santragachi, Howrah, under the Directorate of Printing, with effect from 24-12-1974 (F.N.), until further orders.

No. J(16)AIII/AII.—Shri M. P. Jacob, Overseer, Govt. of India Press, Faridabad, has been appointed to officiate as Assistant Manager (Technical), in the Govt. of India Press,

Koratty, under the Directorate of Printing, with effect from 30-12-1974 (A.N.), until further orders.

S. M. JAMBHOLKAR,  
Director of Printing

MINISTRY OF FINANCE  
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)  
INDIA SECURITY PRESS

Nasik, the 27th June 1975

No. 511/(A).—In continuation of notification No. 302/(A) dated the 28th May 1975 the ad hoc appointment of Shri N. J. Dhivare as Deputy Control Officer is extended upto 2nd August 1975 on the same terms and conditions in the vacancy caused due to the grant of earned leave to Shri B. S. Patil, Dy. Control Officer, Currency Note Press.

V. J. JOSHI,  
General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hosbanganabad, the 18th June 1975

No. PF.7(22)/3588.—The pay scale appearing in the fourth line of this office notification No. 12(2/7)/3273 dated 9-6-75 may be read as Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 instead of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200.

The 24th June 1975

No. PF7(36)/3834.—Consequent upon induction of the C.I.S.F. in this Mill with effect from 15-6-1975 and their taking over the full duties and responsibilities of the Watch & Ward Deptt., Shri S. T. Shirsat officiating Security officer of the existing Watch & Ward Deptt. is rendered surplus.

However, considering his request for alternative job Shri S. T. Shirsat Sec. Officer is appointed Fire Officer on an ad hoc basis for a period of 6 month with effect from 16-6-1975 in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

S. R. PATHAK,  
General Manager

OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL  
INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

New Delhi, the 3rd July 1975

Consequent upon his permanent absorption in the State Trading Corporation of India Ltd., New Delhi in public interest, the Comptroller and Auditor General of India has been pleased to accept the resignation of Shri L. C. Mehra a permanent Audit Officer (Commercial) from Government Service with effect from 5th January, 1975.

S. D. BHATTACHARYA,  
Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
JAMMU & KASHMIR

Srinagar, the 24th June 1975

No. Admn.1/60(75)/75-76/936-38.—The Accountant General, Jammu and Kashmir has appointed Shri Makhan Lal Sadhu, a permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer with effect from the afternoon of 16th June, 1975, till further orders.

P. K. BOSE,  
Senior Deputy Accountant General (A&E)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ORISSA

Bhubaneswar, the 8th April 1975

No. O.O.C. 21.—The Accountant General, Orissa has been pleased to appoint the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officer with effect from the date and for the period as noted against each until further orders.

S/Shri

1. K. B. Dash w.e.f. 4-2-75 (F.N.)
2. R. C. Mohanty w.e.f. 10-2-75 (F.N.)
3. D. N. Patnaik w.e.f. 10-2-75 (F.N.)

V. S. BHARDWAJ,  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

Bhubaneswar, the 30th June 1975

No. O.O.C. 256.—The Accountant General, Orissa has been pleased to grant proforma promotion (Officiating) to the following permanent Section Officers of this office to the cadre of Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the date as noted against each until further orders.

1. Shri P. V. N. Murty 22-7-74.
2. Shri N. M. Das 10-2-75.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
DEFENCE SERVICES

New Delhi-110001, the 28th June 1975

No. 1834/A-Admn/130/75.—Consequent on his permanent absorption in the M.M. & T.C. of India, the lien of Shri K. Y. Padmanabhan, Sub. Audit Officer, in this department has been terminated with effect from 17-1-75.

R. BASHYAM,  
Audit Officer, DS

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE  
ACCOUNTS

New Delhi, the 3rd July 1975

No. 40011(2)/74-AN-A.—(1) Having given notice of voluntary retirement from service under the provisions of Article 459 (i) Civil Service Regulations, Volume I, Shri K. P. Sethumadhavan, Permanent Accounts Officer (Roster No. P/382) serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras will be transferred to Pension Establishment with effect from the forenoon of 9th December 1975.

Shri K. P. Sethumadhavan has been granted earned leave from 5-8-1975 to 16-9-75 and half-pay leave from 17-9-1975 to 8-12-1975 preparatory to his retirement. The leave period will run concurrently with the notice period.

(2) The following amendment is made to this department notification bearing No. 40011(2)/74-AN-A dated 9-6-1975 so far it relates to Shri V. Venkataraman, Permanent Accounts Officer (P/44) at serial No. 1 :—

*For* *Read*

Under Column "Date of death"—27-5-75 28-5-75.

Under Column "Date of struck off strength"—28-5-75 (FN)  
29-5-75 (FN).

S. K. SUNDARAM,

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

### MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES  
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES  
Calcutta-16, the 23rd June 1975

No. 23/75/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri V. V. Vaidya, Offg. Asstt. Manager (Subst./Pmt. Foreman), retired from service with effect from 31st May, 1974 (A.N.).

The 24th June 1975

No. 24/75/G.—On attaining the age of 58 years Shri A. S. Nagpal, Offg. Dy. Manager (Permt. Foreman), has been granted extension of service for a period of one year with effect from 1st Feb., 1975.

M. P. R. PILLAI,

Assistant Director General, Ordnance Factories

### ORDNANCE EQUIPMENT FACTORIES GROUP

Kanpur, the 30th June 1975

No. 3/75/OEF.—Consequent on expiry of extension of service for one year beyond 58 years from 8-5-74, Shri V. R. Murti, Offg. General Manager (Substantive Manager) retired from service w.e.f. 7th May, 1975 (AN).

S. K. DUTT,

Assistant Director General, Ordnance Factories

### MINISTRY OF LABOUR

#### COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad-826003, the 26th June 1975

No. Admn.12(5)71.—Consequent upon her appointment as Chief Welfare Officer (M) under the Coal Mines Labour Welfare Organisation on ad-hoc basis for a period of one year, Miss Shanta Gulati made over charge of the Office of the Welfare Inspector (M), Junnerdeo in the afternoon of 7-4-1975.

The 2nd July 1975

No. P.8(5)67.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1)(b) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Funds, 1949, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee hereby appoints the Assistant Labour Commissioner, Dhanbad a person nominated by the State Government of Bihar, as a member of the Jharia Coal Field Sub-Committee constituted in this office Notification No. P.8(5)67 dated

28-11-73 vice the Assistant Labour Commissioner, Bokaro Steel City, Bokaro and makes the following further amendment in the said notification :—

For the entry "Sl. No. 3—the Asst. Labour Commissioner, Bokaro Steel City" "SL. No. 3 the Assistant Labour Commissioner, Dhanbad" shall be substituted.

R. P. SINHA,

Coal Mines Welfare Commissioner,  
Dhanbad.

### MINISTRY OF COMMERCE

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 25th June 1975

Import and Export Trade Control  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/111/54-Admn(G)/3994.—The President is pleased to appoint Shri K. L. Mathur, an Officer officiating in the Selection Grade of the C.S.S. as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29th May, 1975 to 25th July, 1975.

The 2nd July 1975

No. 6/429/56-Admn(G)/5034.—The President is pleased to appoint Shri R. Kumaravelu Controller in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Madras, as Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Hyderabad for a period of 62 days with effect from 30-4-1975 vice Shri M. S. Nadkarni granted leave.

No. 6/338/56-Admn(G)/6041.—On attaining the age of superannuation, Shri J. J. Kiny relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of the 31st May, 1975.

The 7th July 1975

No. 6/1076/75-Admn(G)/6065.—The President is pleased to appoint Shri K. R. Sreenivasan, a permanent Section Officer of the Ministry of Commerce as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports for the period from 17th June 1975 to 19th July 1975.

B. D. KUMAR,

Chief Controller of Imports and Exports.

New Delhi, the 8th July 1975

No. 6/1050/74-Admn(G)/6079.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri Lachhman Singh as Controller of Imports and Exports Class-II (Non-CSS) in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd June, 1975, until further orders.

2. As Controller of Imports and Exports, Shri Lachhman Singh will draw pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

No. 6/1043/74-Admn(G)/6084.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri Ram Sanehi, CO Grade II, Border Roads Development Board, Ministry of Shipping and Transport, as Controller of Imports and Exports Class-II (Non-CSS) in the Office

of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Central Licensing Area, New Delhi, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 12th June, 1975, until further orders.

2. As Controller of Imports and Exports, Shri Ram Sanehi will draw pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(A. T. MUKHERJEE)

Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
for Chief Controller of Imports and Exports.

OFFICE OF THE DEPUTY CHIEF CONTROLLER  
OF IMPORTS AND EXPORTS

Bangalore-9, the 23rd June 1975

ORDER

Sub : Cancellation of Customs Purposes copy of Licence No. P/E/0030373/ C/XX/X/33-34 dated 23-7-1971 for Rs. 1250/-.

No. EI/15/AM72.—M/s. H. Nemchand Electric Stores, No. 359, Chickpet, Bangalore-2A were granted Import Licence No. P/E/0030373/C/XX—33-34 dated 23-7-71 for Rs. 1250 for the import of Parts of Watches falling under S.No. 308(d)/IV. They have now applied for duplicate copy of Customs Purposes copy of the above licence on the grounds that the original of the above Customs Purposes copy of the licence has been lost/misplaced without having been registered with any Customs Authorities and not utilised at all. The duplicate copy of Customs purposes copy of the above licence now required is for full value of Rs. 1250/-.

In support of the above contention, the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that the original Customs Purposes copy of the above licence has been lost/misplaced and direct that duplicate copy of the Customs Purposes copy of the above licence should be issued to the applicant. The original Customs Purposes copy of the licence is hereby cancelled.

K. JAYARAMAN  
DEPUTY CHIEF CONTROLLER  
OF IMPORTS AND EXPORTS

Hyderabad-4, the 15th January 1974

ORDER

Sub : Cancellation of Licence No. P/L/2623654/C/XX/42/W/33-34/B.11.1 dated 25-2-72, issued for April-June 71 quarter—April-72-March 1973 licensing period.

No. CHEM/3/L/CA/AJ 71/REP/HYD/1185.—M/s. Biological Evans Limited, 18/1 & 3, Azamabad, Hyderabad-20 were granted licence No. P/L/2623654/C/XX/42/W/33-34/B.11.1 dated 25-2-72 for Rs. 48,067/- (Rupees forty eight thousand and sixty seven only for April-June 71 quarter.

They have now applied for issue of duplicate copy of the Customs Purpose copy of above licence on the ground that the Original copy has been lost without having been utilised to the extent of Rs. 5,041/- (Rupees five thousand and forty-one only).

In this connection, the applicants have filed an affidavit. I am satisfied that the Original Customs Purpose copy of Licence No. P/L/2623654/C/XX/42/W/33-34/B.11.1. dated 25-2-72 has been lost and order that duplicate copy of Customs Purpose copy of licence should be issued to the applicants.

The original Customs Purpose copy of licence No. P/L/2623654/C/XX/42/W/33-34/B.11.1 dated 25-2-72 is hereby cancelled.

P. GOVINDA RAJU  
Deputy Chief Controller of Imports & Exports

11—166GI/75

Hyderabad-4, the 12th January 1973

ORDER

Sub : Cancellation of licence No. P/S/1734856/C/XX/42/W/33.34 dated 6-3-72 for April-March 72 period for the end product Buttons, Spectacle frames & Combs.

No. U.19/SS/Plastic/AM72/Hyd.—M/s. Utility Industrial Corporation, D. Industrial Estate, Chandulal Baradari, Hyderabad-1 were granted an import licence No. P/S/1734856/C/XX/42/W/33.34 dated 6-3-72 for Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only) for the items 1. Acrylic Plastic Sheets of Pearl Scent variety, 2. Plastic Moulding Powder n.o.s. and 3. Dyes & Pigments.

They have applied for a duplicate copy of the customs copy of the licence on the ground that the original licence has been lost without having been registered with any customs authority and utilised at all.

In support of their contention, they have filed an affidavit. I am satisfied that the original customs copy of the licence is lost and direct that a duplicate customs copy of licence should be issued to the applicant. The original customs copy of the licence is cancelled.

The 15th March 1973

ORDER

Sub : Cancellation of licence No. P/S/1735540/C/XX/43/W/33.34 dated 19-6-72 issued for A.M.72 period for the end product Handloom lungies.

No. B.112/SSI-1/P.59/NU/AM.72/Hyd.—M/s. Balaji Handloom Industry, 3 : 82, Raghunathapuram, Bhongir Taluk (Nalgonda Dist) were granted an import licence No. P/S/1735540/C/XX/43/W/33.34 dated 19-6-72 for Rs. 5000/- (Rs. Five thousand only) for the items Dyes Intermediates etc.

2. They have applied for a duplicate copy of Exchange Control copy of the licence on the ground that the original has been lost and without having been utilised at all.

3. In support of their contention, they have filed an affidavit. I am satisfied that the original Exchange Control copy of the licence is lost and direct that a Duplicate Exchange Control copy of licence should be issued to the applicant. The original Exchange Control copy of the licence is cancelled.

The 7th May 1975

ORDER

Sub : Cancellation of licence No. P/S/1735668/C/XX/42/W/33-34, dated 30-3-72, issued for April-March 72, for the end product "Ferrous and non-ferrous castings, sewing machines etc."

No. A-58/SSI/Misc.Engg/AM 72/Hyd.—M/s. Andhra Light Industries, B-12, Industrial Estate, Sanathnagar, Hyderabad-18, were granted an import licence No. P/S/1735668/C/XX/42/W/33-34, dated 30-3-72, for Rs. 22,944/- (Twenty two thousands nine hundred and forty-four only for the items (1) Carbon bonded graphite crucibles (2) outside micrometers over 100 MM and spares thereof and (3) Block free cutting bars (lead quality) for import from General Currency Area.

They have applied for a duplicate copy of the Exchange Control purposes copy of the licence on the ground that the original licence has been lost without having been utilised at all.

In support of their contention they have filed an affidavit. I am satisfied that the original Exchange Control copy of the licence is lost and direct, that a duplicate Exchange Control copy of licence should be issued to the applicant. The original Exchange Control copy of the licence is hereby cancelled.

The June 1975

## ORDER

Sub : Cancellation of licence No. P/S/1706351/R/ML/41/W/33-34, dt. 20-10-71 issued for April-March 1972 for the end product confectionery.

F. No. S-29/Conf/AM-72/SSI/Hyd.—M/s. Shakti Products 11-3-887, Malleshpally, Hyderabad-1 were granted an import licence No. P/S/1706351/R/ML/41/W/33-34, dated 20-10-71 for Rs. 5,000/- (Rupees five thousands only) for the items Aromatic Chemicals, Natural Essential Oils and Vegetable parchment paper.

They have applied for duplicate copies of both the Customs and Exchange Control Purposes of the licence on the ground that original licences have been lost without having been registered with any Customs authority and utilised at all.

In support of their contention they have filed an affidavit. I am satisfied that the original customs and Exchange Control copies of the licences are lost and direct, that duplicate copies of the licence should be issued to the applicant. The original customs and Exchange Control copies of the licences are hereby cancelled.

The 7th July 1973

## ORDER

Sub : Cancellation of licence No. P/S/1737480/C/XX/45/W/33-34, dated 26-10-72 issued for April/March 1972 for the end-product : Dyeing of Yarn.

F. No. S-217/Garments/SSI/NU/AM-72/Hyd.—M/s. Subbani Ram Swamy S/o Rajesham Dyeing House, Bonimakkal, Karimnagar Taluk & District were granted an Import Licence No. P/S/1737480/C/XX/45/W/33-34, dated 26-10-72 for Rs. 5,000/- (Rupees five thousand only) for Dyes intermediates.

They have applied for duplicate copies of both the Customs and Exchange Control Purposes copies of the licence on the ground that the original licences have been lost without having been registered with any Customs authority and utilised at all.

In support of their contention they have filed an affidavit. I am satisfied that the original Customs and Exchange Control copies of the licences are lost and direct, that duplicate copies of the licences should be issued to the applicant. The original Customs and Exchange Control copies of the licences are hereby cancelled.

The 20th August 1973

## ORDER

Sub : Cancellation of licence No. P/S/1736412/C/XX/44/W/33-34 dated 9-8-72 issued for April-March 72 period for the end product Ayurvedic Medicines.

No. D-70/SSI-P.38/EU/AM 72/Hyd.—M/s. Digumarthi Pharmacy, 18-5-7, Gorre Venkattappaiah Street, Sitharamanjanyapeta, Tenali (Guntur District) were granted an import licence No. P/S/1736412/C/XX/44/W/33-34, dated 4-8-72 for Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only) for Crude Drugs etc.

2. They have applied for Duplicate copies of both Customs purposes and Exchange Control copy of the licence on the ground that the original licence (in duplicate) was damaged without having been utilised at all.

3. The firm has surrendered the original licence (in duplicate). I am satisfied that the original licence (in duplicate) has been damaged and direct that duplicate copies of both Customs and Exchange Control copy of licence should be issued to the applicant. The original licence (in duplicate) is Cancelled.

## ORDER

The 25th August 1973

Sub : Cancellation of licence No. P/S/1739603/T/OR/47/W/33-34 dt. 18-4-73 issued for April—March 72 licensing period.

No. I-10/SSO-II/Conf/AM72/HYD.—M/s. International Foods, P/5 Uppal Road, Hyderabad-7 were granted licence No. P/S/1739603/T/OR/47/W/33-34 dt. 18-4-73 for Rs. 13,781 (Rupees thirteen thousand seven hundred eighty one only) for April-March 72 licensing period.

They have now applied for issue of duplicate copy of the Exchange Control purposes copy of licence on the ground that the original copy has been lost without having been utilised at all.

In this connection, the applicant has filed an affidavit I am satisfied that the original Exchange Control purposes copy of licence No. P/S/1739603/T/OR/47/W/33-34 dt. 18-4-73 has been lost and order that duplicate copy of Exchange Control purposes copy of the licence should be issued to the applicant.

The Original Exchange Control purposes copy of licence No. P/S/1739603/T/OR/47/W/33-34 dt. 18-4-73 is cancelled.

R. JAYARAM NAIDU  
Deputy Chief Controller of Imports  
& Exports

## OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

Madras-1, the 1st October 1973

## ORDER

No. P.38/114/A.M.73/SSI.2/2206.—The following licences—

- (1) P/S/1782614/C/XX/47/M/35.36 dated 24-4-73 for Rs. 37,500/-;
- (2) P/S/1782615/R/ML/47/M/35.36 dated 24-4-73 for Rs. 18,750/-
- & (3) P/S/1782616/T/OR/47/M/35.36 dated 24-4-73 for Rs. 18,750/-.

were issued to M/s. Menekem, 140, Nyniappa Naick St. Madras-3, for import of drugs and medicines for the manufacture of the drugs and medicines, with usual conditions applicable to Actual Users licences and also with an additional condition that the firm should produce a list of machinery used for the manufacture of drugs and medicines duly certified by the State Drugs Controller, Tamil Nadu, Madras. After issue of the above licences, the Drugs Controller, Tamil Nadu, Madras, has cancelled the firm's Drugs Manufacturing Licences in Forms 25 & 28.

2. Thereafter, a Show Cause Notice No. P.38/114/A.M.73/SSI.2/1596, dated 18th August, 1973, was issued under clause 9(a) and 9(cc) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955, as amended from time to time, asking them to show cause, before 28th August, 1973, as to why the said licences issued in their favour should not be cancelled on the ground that the Central Government is satisfied that the licences will not serve the purpose for which they have been issued.

3. The Show Cause Notice though has been acknowledged by the firm M/s. Menekem, 140, Nyniappa Naick St. Madras-3, no proper and satisfactory reply to the said Show Cause Notice has been received so far.

4. Having regard to what has been stated in the preceding paragraphs, the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under Clause 9, sub-clause (a) and (cc) of the Imports (Control) Order, 1955, as amended from time to time, hereby CANCEL the aforesaid licence issued in favour of M/s. Menekem, 140, Nyniappa Naick St., Madras-3.

M. F. R. BIJJU  
Deputy Chief Controller of Imports & Exports

Madras-1, the 22nd November 1973

## ORDER OF CANCELLATION

Sub: Cancellation of Customs copy of licence No. P/E/0210104 issued to M/s. May and Baker (I) Private Limited, Madras-8.

No. ITC/Dup.Copy/2/AM-74/EI/1452.—M/s. May and Baker (I) Private Limited, 12-A, Marshalls Road, Egmore, Madras-8, were granted a licence No. P/E/0210104/C/XX/48/M/37.38 dated 20-7-1973 for Rs. 57949/- (Rupees fifty seven thousand nine hundred and forty nine only) by this office for import of General Drugs and Medicines (S. No. 87-109/IV) for the period April 73—March 74.

The firm have applied for grant of a duplicate copy of the Customs Purposes copy of the above licence on the ground that the original licence has been misplaced without having been registered with any Customs authority and utilised at all. In support of their contention they have filed an affidavit.

I am satisfied that the original Customs purposes copy of the licence No. 0210104 has been misplaced and I direct that a duplicate copy of the Customs purposes copy of the licence should be issued to the applicant firm. The original Customs purposes copy of the licence is hereby cancelled to the extent of full value of Rs. 57949/-.

The November 1973

Sub:—Cancellation of Customs copy of Licence No. P/E/0209676 dated 1-5-1973 issued to M/s. The Typewriter and Office Appliances (I) Company Private Limited, Madras-1.

No. ITC/Dup.Copy/1/AM.74/EI.—M/s. The Typewriter and Office Appliances (India) Company Private Limited, Madras-1, were granted a licence No. P/E/0209676/C/XX/47/37.38 dated 1-5-1973 for Rs. 3107/- (Rupees three thousand one hundred and seven only) by this office for import of component parts etc. [S. No. 67(2)/V] for the period of April 73—March 74.

The firm have applied for grant of a duplicate copy of Customs Purposes Copy of the above licence on the ground that the original licence has been lost. It has also been stated that the licence was already utilised for Rs. 474/-. In support of their contention they have filed an affidavit.

I am satisfied that the original Customs purposes copy of the licence No. P/E/0209676 has been lost and I direct that a duplicate copy of the Customs purposes copy of licence should be issued to the applicant firm. The original Customs purposes copy of the licence is hereby cancelled to the extent of Rs. 474/- only.

Y. G. PARTHASARATHY  
Deputy Chief Controller of Imports & Exports  
for Joint Chief Controller of Imports and Exports

(IRON AND STEEL DIVISION)

## ORDER

Bombay-20, the 31st December 1973

Subject:—Cancellation of Customs Clearance Purpose copy of import licence No. 8232076 dated 4-9-1972 issued to M/s. The Indian Card Clothing Co. Pvt. Ltd., Pimpri, Poona-18.

No. I-15/113136/TEX/P.11/AM.72/I&S/L.IV.—M/s. The Indian Card Clothing Co. Pvt. Ltd., Pimpri, Poona-18 were issued import licence for April, 71/March, 1972 as under:—

I/L No and date,	Description	Value :
P/A/8232076/C/XX/44	Card Clothing	RS.6-15-561/-
/B/33-34	Wire.	(On GCA)

dated 4th September 1972.

Clothing Wire, Rs. 6,15,561/- (On GCA).

They have now applied for duplicate copy of Customs Clearance copy of import licence for part value of Rs. 34,507/- on the ground that the Customs Clearance copy has been lost.

It is further stated that original licence was registered with Bombay Customs and utilised by them to the extent of Rs. 5,81,054/-.

2. In support of this contention, the applicant has filed an affidavit on a stamp paper duly attested by a Magistrate.

3. I am satisfied that the Customs Clearance purpose copy of import licence No. 8232076 dated 4-9-72, has been lost and direct that duplicate copy of the Customs Clearance Purpose copy of the import licence for Rs. 34,507/- for unutilised value should be issued to the applicant. The Customs Clearance Purpose copy of the above import licence is cancelled for the unutilised value Rs. 34,507/-.

B. C. BANERJEE  
Dy. Chief Controller of Imports & Exports

## ORDER

Calcutta-1, the 23rd February 1974

Sub:—Cancellation of Exchange/ & Customs Clearance Purpose copy of import licence Nos. (1) P/S/8221659/C/XX/45/C/35-36/06/1 & (2) P/S/8221660/R/ML/45/C/35-36/06/1 both dt. 27-12-72 issued to M/s. Ambika Iron Bucket Mfg. Industries, Katra Bazar, Chapra, Bihar.

Ref: JC/I&S/IV/06/1/72-73.—M/s. Ambika Iron Bucket Mfg. Industries, Katra Bazar, Chapra, Bihar were issued import licence for period 1972-73 as under:—

I/L No. &amp; Date, Description and Value :

- (1) P/S/8221659/C/XX/45/C/35-36/06/1 dt. 27-12-72, M.S. Sheet Cuttings & Defectives in straight length or in coils (excluding all coated Sheet Cuttings & Defectives) for manufacture of Buckets, Rs. 2,792/-.
- (2) P/S/8221660/R/ML/45/C/35-36/06/1 dt. 27-12-72, M.S. Sheet Cutting & Defectives in straight length or in coils (excluding all coated Sheet Cuttings & Defectives) for manufacture of Buckets, Rs. 2,792/-.

They have applied for duplicate Exchange/ & Customs Clearance purposes copy(s) of the above Import licence(s) for the balance value of Rs. 2,792/- (Rupees two thousand seven hundred & ninetytwo only of each), since they have confirmed that the Exchange/ & Customs clearance copy(s) of the above licences have been lost, without having been registered with the Customs House with any Customs House and without utilising any part. The total amount for which the above licences were issued are Rs. 2,792/- & (2) Rs. 2,792/- respectively and the total amount for which the original copy(s) was/were utilised is/are Nil in each case. The duplicate exchange/ & C.C.P. copy(s) now required is/are to cover the entire amount of Rs. 2,792/- & (2) Rs. 2,792/- respectively.

2. In support of this contention the applicant has filed an affidavit on a stamped paper duly attested by

3. I am satisfied that the Customs Clearance Copy/ & Exchange copy of Import Licences Nos. (1) P/S/8221659/C/XX/45/C/35-36/06/1 and (2) P/S/8221660/R/ML/45/C/35-36/06/1 both dt. 27-12-72 have been lost and direct that the duplicate Exchange/ & Customs Clearance copy(s) of the Import Licences for the full value of Rs. 2,792/- of each licence should be issued to the applicant. The Exchange/ & Customs Clearance copy(s) of the above import licence(s) is/are cancelled for the amount of Rs. 2,792/- for each licence.

## ORDER

The 23rd February 1974

Sub:—Cancellation of Customs Clearance Purpose copy 32/01/54 & 55/ADL, dt. 2-12-71 issued to M/s. 32/01/54 & 55/ADL, dt. 2-12-71 issued to M/s. Jupiter Steel Manufacturing Co., 20-A, Brabourne Road, Calcutta-1.

No. JC/I&S/II/01/Addl/55.—M/s. Jupiter Steel Manufacturing Co., 20-A, Brabourne Road, Calcutta-1 were issued

import licence for period 1970-71 as under :—

*I/L No. & Date, Description and Value.*  
P/S/8220410/R/ML/41/C/31-32/01/54 & 55/ADL.  
dated 2-12-71, Prime M.S. Plates Killed Quality—5 MM  
& 6 MM, Rs. 58,814/-.

They have applied for duplicate Customs Clearance purposes copy(s) of the above Import licence(s) for the balance value of Rs. 58,814/- (Rupees fifty-eight thousand eight hundred and fourteen only) since they have confirmed that the Customs clearance copy(s) of the above licences has been lost, without having been registered with the Customs House/ with any Customs House and without utilising any part. The total amount for which the above licences was issued is Rs. 58,814/- (Rupees fifty-eight thousand eight hundred and fourteen) and the total amount for which the original copy(s) was utilised is Rs. Nil. The duplicate C.C.P. copy(s) now required is to cover the entire amount of Rs. 58,814/- (Rupees fiftyeight thousand eight hundred and fourteen only)

2. In support of this contention the applicant has filed an affidavit on a stamped paper duly attested by Presidency Magistrate, Calcutta.

3. I am satisfied that the Customs Clearance Copy of Import Licences Nos. P/S/8220410/R/ML/41/C/31-32/01/54 & 55/ADL, dt. 2-12-71 have been lost and direct that the duplicate Customs Clearance copy(s) of the Import Licences for the full value of Rs. 58,814/- should be issued to the applicant. The Exchange/ & Customs Clearance copy(s) of the above import licence(s) is cancelled for the amount of Rs. 58,814/-.

B. K. BISWAS  
Dy. Chief Controller of Imports & Exports

#### ORDER

Calcutta, the 20th September 1973

Sub :—Cancellation of Customs purposes copy of L. No. P/E/0203606/C/XX/45/C dt. 1-12-72.

No. 169-170-IV/56/72-73/EI-I.—M/s. Ram Bharas Ram Harilal Ram Gupta, were issued import licence for period April-March '73 as under :—

*Imp./Lic. No. & date, Description and Value :*

P/E/0203606/C/XX/45/C/35-36 dated 1-12-72. Books,  
Rs. 5000/- (Rupees five thousand only).

They have applied to duplicate Customs purposes copy of the above import licence for the full value of Rs. 5,000/- since they have confirmed that the Customs Purposes copy of the above licences have been lost without having been registered with any Customs House and without utilising any part. The total amount for which the original copy was issued is Rs. 5000/- and the total amount for which the original copy was utilised is nil. The duplicate Customs Purposes copy now required are to cover the entire amount of Rs. 5000/-.

2. In support of this contention the applicant has filed an affidavit on a stamped paper duly attested by Presidency Magistrate.

3. I am satisfied that the Customs purposes copy and Exchange Control copy of import licence No. P/E/0203606/C/XX/45/C/35-36 has been lost and direct that the duplicate Customs purposes copy of the import licence for the full value of Rs. 5000/- should be issued to the applicant. The Customs purposes copy of the above import licence is cancelled for the amount of Rs. 5000/-.

M. S. PURI  
Dy. Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF  
IMPORTS AND EXPORTS  
New Delhi, the 8th May 1973

#### ORDER

No. BEL/8/72-73/PIS(A).—M/s. Bharat Electronics Ltd.,  
Jalahalli, Bangalore were granted an import licence No. G/  
RP/2442563/R/MA/46/H/ dated 21-11-72 for Rs. 6,800/-

(Rupees Six thousand and eight hundred only). They have applied for the issue of a duplicate Customs Purposes copy of the said licence on the ground that the original Customs Purposes copy has been lost/misplaced. It is further stated that the original Customs Purposes copy was not registered with any Customs authorities. It was unutilised fully and the balance available on it was Rs. 6,800/- as on 14-3-73.

2. In support of this contention the applicant has filed an affidavit along with a certificate from Munsiff Cum-Ex-Officio I Class Magistrate, Bangalore. I am accordingly satisfied that the original Customs Purposes copy of the said licence has been lost. Therefore in exercise of the powers conferred under Sub-clause 9(cc) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-55 as amended the said original Customs Purposes copy of licence No. G/RP/2442563/R/MA/46/H/ dated 21-11-72, issued to M/s. Bharat Electronics Jalahalli is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs Purposes copy of the said licence is being issued separately to the licensee.

SARDUL SINGH  
Dy. Chief Controller of Imports & Exports

#### OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

Madras-1, the 29th January 1974

#### ORDER

Sub : Cancellation of Exchange Control copy of Import Licence bearing No. P/L/2629038/C/XX/43/M/33-34/A.66.2 dated 26-4-1962 for Rs. 4,964/- for April-March 1973 licensing period Export period—April/June 1971.

No. LR/154/3.71/EPC.I.—M/s. Mithuna Industries, 44/46, Wood Warf, Walltax Road, Madras-1, were issued a licence bearing No. P/L/2629038/C/XX/43/M/33-34/A.66.2 dated 26-4-1972 for Rs. 4964/- (Rs. Four thousand nine hundred and Sixtyfour only) for April/March 1973 licensing period for import of M.S. Sheet cuttings and Defective sheets in straight lengths as per April/March 1973 policy for Registered Exporters. The firm have applied for issue of Duplicate of the Exchange Control Copy of the licence on the ground that the original licence has been lost without having been utilised at all. In support of their contention, they have filed an affidavit.

I, I. A. Rashid, Dy. Chief Controller of Imports and Exports, am satisfied that the Exchange Control Copy of the original licence has been lost without having been utilised and that a duplicate copy of the same may be issued to the firm.

The original Exchange Control Copy of the licence is hereby cancelled.

(Issued from File No. 133/L/2-71/EPC.II).

#### ORDER

Subject :—Cancellation of Customs copy of licences issued to M/s. Baree Perfumery Works, Madras.

M/s. Baree Perfumery Works, Madras were granted licences No. P/L/2628087/C/XX/41/33-34/B-26 dated 7-10-71 for Rs. 209/- and No. P/L/2629073/C/XX/43/M/33-34/B-26 dated 22-4-72 for Rs. 558/-.

They have applied for grant of a duplicate copy of customs purposes copy of the above licences on the ground that the original licences were lost. It has been stated that the licences were not utilised by them for the full amount and that they were not registered with any of the ports. In support of their claim M/s. Baree Perfumery Works, Madras have filed separate affidavits.

I am satisfied that the original customs copy of licences Nos. P/L/2628087/C/XX/41/M/33-34/B-26 dated 7-10-71 and No. P/L/2629073/C/XX/43/M/33-34/B-26 dated

22-4-72 have been lost and direct that duplicate customs copies of the licences should be issued to the applicant. The original customs purposes copy of licences are cancelled.

(Issued from file No. Chem. 37.Lic./A-J 71/EPC.III).

I. A. RASHID

Deputy Chief Controller of Imports & Exports  
for Joint Chief Controller of Imports & Exports.

#### ORDER

Sub: Cancellation of Exchange Control copy of Import licence bearing No. P/S/1782508/C/XX/46/M/35-36 dt. 31-3-73 for Rs. 3000/- for April/March 1973 period.

M/s. Jothi Perfumery Works, 74-A, Annapillai Street, Madras-1, were issued a licence bearing No. P/S/1782508/C/XX/46/M/35-36 dated 31-3-73 for Rs. 3000/- for April/

March '73 period, for import of permissible Aromatic Chemicals other than banned, restricted and canalised as per April/March '73 policy. (2) Permissible Natural Essential Oils other than banned, restricted canalised, and also excluding Spearmint Oils and Dementhalised peppermint oil, as per April/March '73 policy and (3) Resinoids as per April/March '73 policy. The firm have applied for issue of a duplicate copy of the Exchange Control Copy of the licence only on the ground that the original licence has been misplaced without having been utilised at all. In support of their contention they have filed an affidavit.

I am satisfied that the Exchange control copy of the Original licence has been lost or misplaced and a duplicate of the same may be issued to the firm.

The original Exchange control copy of the licence in question is hereby cancelled.

M. F. R. BIJLI,

Joint Chief Controller of Imports & Exports.

## FORM ITNS—

(1) Shri Shanker Lal Kanodia s/o Shri Mangal Chand Kanodia r/o 59/42, Birhana Road, Kanpur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th April 1975

Ref. No. F. Acq/195/KNP/74-75/118.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Bazipur alias Jajmau, Kanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 10-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Rajnish Arora s/o Shri Om Prakash Arora r/o 122/50, Kabari Market, Kanpur, Shri Ganga Din s/o Sri Teni r/o Kalyanpur, Kanpur and S. Atma Singh s/o Sri Nanak Singh r/o 112/86, Bomba Road, Kanpur, Shri Shashi Bhushan Ghosh s/o Sri Avinash Chandra Ghosh, 61, Tiwaripur, Jajmau, Kanpur,

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhimidhati land—Eastern portion 10265 W.S. measuring 4 Bighas 8 Biswas No. 102/88 consisting of a room, one storeyed Abadi No. 264 and 236 situated at Bazipur alias Jajmau, Distt. Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 37,000/-.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 16-4-75.

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shri Khariti Lal Dhall s/o Shri Ram Piara Dhall  
r/o Road No. 18 House No. 22 Punjabi Bagh, New  
Delhi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/832/75-76/567.—Whereas, I, C. V.  
Gupte,

being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Plot No. 1 Road No. 18 situated at Punjabi Bagh, New Delhi  
(and more fully described in the  
Schedule annexed hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Delhi on 5-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid ex-  
ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen  
per cent of such apparent consideration and that the consi-  
deration for such transfer as agreed to between the Parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer or to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

- (1) Shri Jasbir Singh s/o Shri Gurbux Singh Sethi r/o  
Z-20 West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respec-  
tive persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act, shall  
have the same meaning as given in the  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of free-hold plot of land bearing Plot No. 1 in class  
'D' on Road No. 18 measuring 365.2 sq. yds. situated in the  
residential colony known as Punjabi Bagh area of Village  
Bassai Darapur, Delhi State, Delhi and is bounded as  
under :—

North—Road No. 7  
South—Property No. 3  
East—Service Lane  
West—Road No. 18

C. V. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi.

Date: 5th May, 1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/830/75-76/566.—Whereas I, C. V. Gupte,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-15 (Eastern Portion) situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 22-11-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Darshan Kaur w/o L. Shri Dhyani Singh Bawa, B-15, Kirti Nagar, New Delhi for self and of general attorney of 9 persons.

1. Shri Mohinder Singh Bawa s/o L. Sh. Dhyani Singh. 2. Shri Sukhbir Singh Bawa s/o L. Sh. Dhyani Singh Bawa. 3. Shri Jaswant Singh Bawa s/o L. Shri Dhyani Singh Bawa r/o B-15, Kirti Nagar, New Delhi. 4. Smt. Tej Parkash Kaur Rekhi w/o S. Amrik Singh Rekhi r/o A-18, Jangpura Extn. New Delhi. 5. Smt. Tajinder Kaur Wadhwa w/o Sh. Joginder Singh Wadhwa of Wadhwa sports, Ghaziabad, (U.P.). 6. Smt. Jaspinder Kaur w/o Sh. Devinder Singh Kakar of Gali No. 4, Pahar Ganj, New Delhi. 7. Sh. Gurdeep Singh Bawa s/o Sh. Dhyani Singh Bawa r/o B-15, Kirti Nagar, New Delhi. 8. Mrs. Harminder Kaur w/o S. Surjeet Singh 230 Thistle Drive, Silver Spring, MD, USA. 9. Dr. Ujjagar Singh Bawa r/o Shawnee Heights, Bloomsburg, PA 17815 USA.

(Transferors)

(2) Shri Sri Ram Gulati s/o Shri Ladha Ram Gulati r/o H. No. 3642 Gali No. 13 Reharpura, K. Bagh, New Delhi. Now at B-15, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Eastern portion on area measuring 160 sq. yds. of single storeyed property at No. B-15, Kirti Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North—Service lane

South—Road

East—Plot No. 16

West—Plot No. 14-A.

C. V. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi.

Date : 5th May, 1975  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Karamchand Premchand P. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Sarabhai Chemicals Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V  
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,

Bombay-400 020, the 30th June 1975

Ref No. AR. V/193/6/74-75.—Whereas, I J. M. Mehra the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 104/A/1 (part) situated at Anik Chembur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 18-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—166GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece of land admeasuring 9317 sq. yds. or thereabout consisting of flat land admeasuring 4217 sq. yds. and hilly land admeasuring 5100 sq. yds. and situate in the village of Anik in the Taluka Kurla of the Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra in Greater Bombay and bearing survey No. 104/A/I Part and bounded as follows: on or towards the North by the property of the Ahmedabad Mfg. and Calico Prtg. Co. Ltd. on or towards the South by the strip of land on or towards the East by other land bearing survey No. 104 (part) of Suhrid Geigy Trading P. Ltd. and on or towards the West by land bearing survey No. 107 (part) and being part of the property of the Ahmedabad Mfg. & Calico Prtg. Co. Ltd.

J. M. MEHRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 30-6-1975.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dhan Pal Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Daya Rani Tandon,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

## SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 24th June 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 14-D/Acquisition.—Whereas, I Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. lease hold plot No. A-18 situated at Nirala Nagar Chand Ganj Lucknow more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 21-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A lease hold plot No. A-18 measuring 15750 Sqr. fts. situated at Nirala Nagar Chand Ganj Housing Scheme, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 24-6-1975

Seal:

FORM ITNS ———

(1) Smt. Krishan Sundri Devi Shukla,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arvind Thomas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 24th June 1975

Ref. No. 47-A/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing No. House No. D-64/29-A with land situated at Mohalla Shivpura Shahr Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 28-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

A house No. D-64/29-A alongwith land total measuring 32,00 Sqr. Fts. situated at Mohalla Shivapura Varanasi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax,

Acquisition Range, Lucknow

Date : 24-6-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Shyam Sundar Lal Srivastava.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prem Shanker Dixit &amp; others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 26th June 1975

Ref. No. 29-P/Acquisition.—Whereas, I Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 630, situated at Rajendra Nagar Nava Marg Shahr Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 22-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No. 630 Measuring 630 Square fts. situated at Rajendra Nagar Nava Marg Shahr Lucknow.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax

Acquisition Range, Lucknow

Date : 26-6-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 26th May 1975

Ref. No. Acq. 23-I-562(188)/10-1/74-75.—Whereas, I P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 112, situated at on Sumer Club Road, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 23-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shah Murchand alias Mulchand Lakhamshi Hariya Village Rasangpur, Distt. Jamnagar.  
2. Shah Harakchand Lakhamshi Hariya, Rasangpur, Distt. Jamnagar.  
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Sumitraben Madhukant Rati, Medical Practitioner, Bedi Naka Road, Jamnagar.  
2. Shri Madhukant Narbheram Rati, Bedi Naka Road, Jamnagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property being an open plot of land ad-measuring 6975 sq. ft. bearing Plot No. 112, situated on Sumer Club Road, Jamnagar as fully described in sale deed bearing registration No. 2138 dated 23-11-74 of Sub-Registrar, Jamnagar.

P. N. MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 26-5-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Patel Bhagwan Dudabhai, 6, Manhar Plot, Rajkot.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 26th May 1975

Ref. No. Acq. 23-I-427(187)/16-6/74-75.—Whereas, I P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. C Survey No. 449 situated behind A.G.'s Office, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Rajkot in November, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) 1. Shri Rasiklal Gulabchand Shah, Janta Society, Rajkot,  
2. Jayvantlal Vrajlal, Kapad Market, Rajkot.  
3. Wrundavan Mohanlal Rajyaguru, 3, Jagnath plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

An immovable property being an open plot of land admeasuring 716-7-29 sq. yards bearing Plot No. 'C', Survey No. 449, situated behind A.G.'s Office, Rajkot.

P. N. MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 17th June 1975

Ref. No. 22-J/Acquisition.—Whereas, I Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nil situated at Moh. Narkula Ganj Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 12-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- |   |              |
|---|--------------|
| (1) Shri Shyam Bahadur Jauhari.   | (Transferor) |
| (2) Shri Jagdish Prasad & others.   | (Transferee) |
| (3) As above in Sr. No. 2.<br>(Person in occupation of the property).   |              |
| (4) Any person interested in the property.<br>(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.) |              |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A half portion of house total measuring 366 Sq. Yards having 9 rooms, motor garage, toilet, latrines, verendah, etc. situated in Mohalla Narkula Ganj Bareilly.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 17-6-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th June 1975

Ref. No. 28-P/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-B situated at Ram Mohan Rai Marg Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 18-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sneha Ohdadar.

(Transferor)

(2) Shri Promodani Khanna and other.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land measuring 6480 sqr. fts. alongwith servants quarters and a garage situated at 2-B Ram Mohan Rai Marg Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax,

Acquisition Range, Lucknow

Date : 13-6-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 7th June 1975

Ref. No. GRG/37/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Factory building on Plot No. 65, Industrial Area, Mehrauli Road, situated at Gurgaon (Haryana) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gurgaon in November, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) (i) Smt. Gargi Bhalla, w/o Shri S. L. Bhalla,  
(ii) Shri Shashi Kant Bhalla, s/o Shri S. L. Bhalla, through Shri S. L. Bhalla General Attorney, Resident of 4-E, Rajori Garden, New Delhi, Proprietors, Elite Foods & Chemicals, 65-Industrial Colony, Gurgaon.  
(Transferor)
- (2) M/s. Agon Agencies (India) Private Ltd. C-373, Defence Colony, New Delhi, through Shri R. C. Aggarwal, Managing Director.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory Building on Plot No. 65, Industrial Area, Mehrauli Road, Gurgaon (Haryana).  
East—Plot No. 58 of Best Co-operative Industries.  
West—40' wide road.  
North—Plot No. 66 (Manmohan Chemicals)  
South—Plot No. 64 (Vacant)

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3072 of November, 1974 of the Registering Officer, Gurgaon.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 7-6-1975,  
Seal :

## FORM ITNS—

(2) M/s. Agon Agencies (India) Private Ltd.  
C-373, Defence Colony,  
New Delhi, through Shri R. C. Aggarwal,  
Managing Director,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 7th June 1975

Ref. No. GRG/37-A/74-75.—Whereas, I G. P. Singh,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition  
Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Plot No. 65, Industrial Area, Mehrauli Road, situated at  
Gurgaon (Haryana)

(and more fully described in the Schedule annex-  
ed hereto) has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Gurgaon in November, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) (i) Smt. Gargi Bhalla, w/o Shri S. L. Bhalla,
- (ii) Shri Shashi Kant Bhalla, s/o Shri S. L. Bhalla,  
through Shri S. L. Bhalla General Attorney,  
Resident of 4-E, Rajori Garden, New Delhi,  
Proprietors, Elite Foods & Chemicals, 65-  
Industrial Colony, Gurgaon.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 65, Industrial Area, Mehrauli Road, Gurgaon.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3071  
of November, 1974 of the Registering Officer, Gurgaon.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 7-6-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mrs. Anardi Devi Jain, W/o Jhumarmal Jain,  
Hatigola, Fancy Bazar, Gauhati.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Usharani Chowdhury, W/o Sree D. C.  
Chowdhury, U. N. Bezbaruah Road, Gauhati.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Shillong, the 19th May 1975

Ref. No. A-100/Shg/75-76/503-12.—Whereas, I, Egbert Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Document No. 288 situated at European Ward, Shillong (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shillong on 30-11-1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 11,600 Sq. Ft. out of 17000 Sq. Ft. being the portion of the land of the plot No. 44 (old), 28 (new) with a house (Assam type) standing thereon situated at European Ward, Shillong in Khasi Hills District of Meghalaya State.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

EGBERT SINGH  
Competent  
Inspecting Assistant Commissioner  
Income-tax  
Acquisition Range, Shillong

Date : 19-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

1) Smt. Seva Bai, W/o Chiman Ram, H. No. 15-2-673  
at Kishengunj, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Omparkash Sarada, S/o Ramnivas Sarada,  
H. No. 21-3-140 at Tagarinaka, (Kasarata)  
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD(3) M/s. Ravi Oil Mill, H. No. 5-5-57/10 at Kattal-  
mandi, Goshamahahal, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Hyderabad, the 9th April 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC. No. 7/75-76.—Whereas, I K. S. Venkata-  
raman,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 5-5-57/10 Rear Portion, situated at Kattalmandi,  
Hyderabad

(and more fully described in  
the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the  
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-  
tering officer at

Hyderabad on 25-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid property and I have reason to be-  
lieve that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act, shall  
have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the said Act in respect of any income arising from  
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act  
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Property : Rear Portion of House No. 5-5-57/10 at Kattal-  
mandi, Goshamahahal, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-4-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th April 1975

Ref. No. PR. 211/Acq.23-317/6-1/74-75.—Whereas,

I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Bungalow No. 17, Survey No. 41/1 situated at near Race Course Circle Amrakunj Society, Subhanpura, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Baroda on 20-11-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Taraben Rasiklal Shah,  
through power of attorney holder,  
Shri Shantilal Nathalal Patel,  
Dayal Bhow Khancho,  
Rajmahal Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Manubhai Chaturbhai Patel,  
24, Shree Niketan, Chowpaty Band Stand  
Bombay-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 17, Amrakunj Society, Race Course Circle, Subhanpura, Baroda, bearing Sur. No. 41/1—Land admeasuring 6162 Sq. ft. with building as fully described in Sale Deed registered under Regs. No. 4922 dated 20-11-74 of the Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-II,

Ahmedabad.

Date : 11-4-1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 28th April 1975

Ref. No. RAC. No. 15/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-7-230 and 231 situated at Aghapura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Afsarunnisa Begum  
W/o Sri M. Ibrahim Ali,  
H. No. 11-5-561 at (CIB. No. 627) Red Hills,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Saraswati Bai,  
W/o Sri Moolchandji,  
R/o Ho. No. 151-496 at Feelkhana,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : House No. 5-7-230 and 231 at Aghapura Charkhandeel, Hyderabad. Area : 1934 Sq. Yds. or 1,618 Sq. Meters.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad

Date : 28-4-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Girish Chand Mittal,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Narain,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 16th June 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 15-V/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S-21/114-D situated at Neel Cottage Maldiyahye, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 28-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A half portion of three storeyed house No. S-21/114-D measuring 1107 Sq. Fts. situated at Mohalla Neel Cottage Maldiyahya, Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-6-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Ram Narain,

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 16th June 1975

Ref. No. 49-R/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-21/114-D situated at Neel Cottage Maldiyahay, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 28-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Grish Chand Mittal.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A half portion of three storeyed House No. S-21/114-D measuring 1107 Sq. Fts, situated at Mohalla Neel Cottage Maldiyahay, Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 16-6-1975.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR

Dharwar, the 18th June 1975

Ref. No. 80/74-75/ACQ.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-873/22 on Plot No. 18 situated at Station Bazaar, Gulbarga, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gulbarga under Document No. 2331 on 23-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

14-166GI/75

(1) Dr. Shrinivasarao S/o Manikrao Chitgoppekar,  
Medical Officer, Chitradurga.

(Transferor)

(2) Smt. Vijayabai W/o Vinayakrao Deshpande,  
Deputy Director of Agriculture,  
78-D, P.W.D. Quarters, Jwan-Shahi Road,  
Gulbarga.

(Transferee)

(3) 1. Dr. G. B. Desai,  
Prof. of Surgery, Medical College,  
Gulbarga.

2. Dr. Mrs. Viveka Kothari,  
House Surgeon, Gulbarga.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing No. 1-873/22 on Plot No. 18, situated at Station Bazaar, Gulbarga.

And Bounded :

On the East : Plot No. 17 of Shri Vithalrao,

On the West : Road.

On the North : Behind Portion of P.W.D. Engineers' Building.

On the South : 20' Road.

R. PARTHASARATHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Dharwar.

Date : 18-6-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Shyama Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ram Kali Devi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 17th June 1975

Ref. No. 50-R/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 301 situated at Bahadur Ganj, Allahabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 23-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A half portion of House No. 301 total measuring 1,500 Sq. Yards situated at Mohalla Bahadur Ganj, Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 17-6-1975  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Shyma Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bimal Kumar Dubey &amp; others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE.  
LUCKNOW

Lucknow, the 17th June 1975

Objections, if any, in the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 41-B/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 301 situated at Bahadur Ganj, Allahabad, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Allahabad on 23-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A half portion of House No. 301 total measuring 1,500 Sq. Yards situated at Mohalla Bahadur Ganj, Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 17-6-1975  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Baij Nath Prasad and others,  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Misri Lal,  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
LUCKNOW

Lucknow, the 17th June 1975

Ref. No. 51-M/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CK 63/168 situated at Mohalla Chhoti Piyari, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 22-11-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A double storeyed house No. CK 63/168 having ten rooms situated at Mohalla Chhoti Piyari Shahr Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 17-6-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE.

60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 18th April 1975

Ref. No. C.A.5/Bombay(Vasai)/Npv'74/191/75-76.—  
Whereas, I, H. S. Aulakh,  
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 42, Hissa No. 2, situated at Satavali, Vasai Tal. Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-11-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kanahyalal Nanalal Jain,  
Bassein Par Naka, Dist. Thana.  
(Transferor)
- (2) Shri Raghunath Prasad Radheylal and others,  
213, Commerce House, Meadows Street,  
Bombay-1.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 42, Hissa No. 2 admeasuring 10926.55 Sq. Mtrs. at Village Satavali, Tal. Vasai, Dist. Thana Freehold.

H. S. AULAKH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Poona.

Date : 18-4-75.  
Seal :

FORM ITNS ———

(1) M/s. V. P. Singh & Company & others,  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Mahalaxmi Sugar Works.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 17th June 1975

Ref. No. 52-M/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Village Karim Urf Ulaira Bijnore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bijnore on 26-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house measuring 250 sq. fts. having rooms with open lands around it, is situated at Village Karim Urf Ulaira in Distt. Bijnore.

BISHAMBHAR NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 17-6-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 4th June 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)241.—Whereas, I, S. R. Vaish

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

details given below, situated at Jhalana (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28th Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair-market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ghan Shyam Das Agrawal  
S/o Shri Ishwardas Agrawal,  
R/o 49, Debson Road, Howrah (W. Bengal)  
through his power of attorney Shri Hari Singh  
S/o Th. Rijai Singh,  
R/o C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Prithviraj S/o Swai Man Singh,  
12 Civil Lines, Jaipur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 27 Bigha 9 Biswa bearing Khasara No. (Old) 92, 93 (Part) 58, 59 and 60 with appurtenances situated in Village Jhalana Chowd, Durgapura Farm, Teh. Sanganer, Distt. Jaipur.

S. R. VAISH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range,

Jaipur.

Date : 4-6-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Allahabad, the 4th July 1975

Ref. No. Acq.23-I-444(200)/1-1/75-76.—Whereas, I  
J. KATHURIA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sub-Plot No. 2, Final Plot No. 386, T.P.S. No. 20 situated at Gulbai Tekra, Ambawadi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-11-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sitadevi Parshottam Kamath,  
Gulbai Tekra, Ambawadi,  
Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Shri Priyakant S. Nagarsheth,  
Mrudul Park, Co-op. Housing Society,  
Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bungalow standing on land admeasuring 600 sq. yds. bearing Sub-Plot No. 2, Final Plot No. 386, T.P.S. No. 20 and situated at Gulbai Tekra, Ambawadi, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 4-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri R. Muthu Gounder Erumapalayam,  
Salem.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd July 1975

Ref. No. F.XVI/1(ii)/13/74-75.—Whereas, I, G. V.  
JHABAKH,being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act') have reasonto believe that the immovable property, having a fair  
market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing  
No. situated at T.S. Nos. 51/2, 51/3 & 51/4, Salem  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Salem on November 1974for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the  
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri V. Manickam Pillai,  
Trichy Main Road, Thathakapatti,  
Salem-6.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at T.S. No. 51/2, 51/3  
and 51/4, I Block, Thathakapatti, Salem-6 measuring  
2.41 acres.

G. V. JHABAKH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 3-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. H. M. Lazurus,  
D/o Danial Lazurus,  
Waltair uplands, Visakhapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) P. Martin, Sunny Side, Visakhapatnam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Kakinada, the 3rd July 1975

J. No. 145(VSP)/74-75Acq. F. No. 203.—Whereas, I, B. V. Subbarao being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-5-1 situated at Main Road, Waltair-uplands "Sunny side compound" Vizay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 15-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

The schedule property, namely land and building as shown in the sale deed No. 5298 of S.R.O. Visakhapatnam in the month of November, 1974.

B. V. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1975.

Seal :

FROM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th March 1975

J. No. I(419)/WG/74-75 Acq No. 178.—Whereas, I, K. Subbarao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 5-1-70 situated at Madhavipalem Narsapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Narsapur on 30-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Peamantasta Achayamma,  
W/o Sri Ramaraju, Narsapuram

(Transferor)

(2) I. Smt. G. Suramma (2) G. Laxmi Kantam (3)  
G. Suvarnamukhi (4) G. Chittiammaji

(Transferee)

(3) Shri Adepalli Suryaramachandrarao, Palakol.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

West Godavari District—Narsapur Taluk—Narsapur—Sub-Registration—Narsapur Municipality—Madhavipalem—2nd ward—Zirayati Dry Rs. No. 155/1-0-02 cents—R.S. No. 155/2-05 cents R.S. No. 155/3-0-24 cents—R.S. No. 155/4-0-12 cents—R.S. No. 155/5 Ac. 1-40 cents in that Western side 0.44 cents R.S. No. 155/19 0-19 cents in that Western side 0-06 cents—6 plots—0-93 cents.

## BOUNDRIES

East : Site of M. Prakasam and RTC Bus stand,  
South : RTC Bus stand site and Saladi Sriramamurthy site,  
West : Canal Road  
North : Small Irrigation channel.

K. SUBBARAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 19-3-1975  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) Sri Puvvada Venkateswara Rao, Prop-Lodge  
Paradise, Visakhapatnam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th May 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

Acq. File No. 196/74-75—J. No. VSP.135/74-75.—Where-  
as, I, Saroj Kumar,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to  
as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 15-8-9, Beach Rd. situated at Maharanijeta, Ward,  
Visakhapatnam,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Visakhapatnam on 30-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said  
Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the Said Act, to the following persons  
namely :—

(1) Sri P. Srirangacharyulu Ayyavaralu,  
Kanchara St. Visakhapatnam.

(Transferor)

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the Said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property as per schedule in document No. 5511 of  
Visakhapatnam dated 25-11-74.

SAROJ KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 5-5-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vegesana Sivaramaraju,  
Magam (PO) Amalapuram Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA(2) 1. Dr. Penumatsa Subramanayaraju, Amalapuram  
S/o Vijayavenkataramaraju.  
2. Smt. Penumatsa Vijayalakshmi  
W/o P. S. Raju, Amalapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 30th June 1975

J. No. 454(EB)/74-75—Acq. File No. 201.—Whereas, I, B. V. Subbarao being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 3-2-21 and 21/2 situated at Kuchimanchiagraharam Amalapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amalapuram on 25-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule property is land and building as per the registered Document No. 4577/74 of SRO Amalapuram.

B. V. SUBBARAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 30-6-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

- |   |   |                             |
|---|---|-----------------------------|
| (1) 1. Shri Penmetcha Satyanarayana-<br>rayanaraju S/o Ramaraju<br>2. Penmetcha Bangarraju<br>3. Penmetcha Sitaramaraju<br>4. Penmetcha Venkataramaraju | } | Sivaraopeta,<br>Bhimavaram. |
|   |   | (Transferor)                |

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 2nd July 1975

J. Nos. 460 & 462/74-75—Acq. File No. 202.—Whereas, I, B. V. Subbarao being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door Nos. 2-2-1 & 2-2-2 situated at Sivaraopeta, Bhimavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhimavaram on 22-11-74 & 25-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (2) Shri Uddaraju Krishna Prasad S/o Anandaraju,  
3rd ward, Bhimavaram,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property is land and building as registered documents Nos. 2837/74 and 2855/74 of SRO Bhimavaram.

B. V. SUBBARAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 2-7-1975  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri K. Abdul Hameed,  
Perichipalayam, Kottathurai village, Palani Taluk.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri S. Kamruddin,  
2. Shri R. Palanisamy Chettiar,  
3. Shri S. Dharumaraju,  
4. Shri Nagamuthu Chettiar  
5. Shri S. Muthusamy Chettiar  
6. Shri Shri R. Murugavel &  
7. Smt. Thayarammal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-I, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 11th April 1975

Ref. No. F. VI/15/15A/1974-75.—Whereas, I, K. V. Rajan being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 450/B2 situated at Kodhaimanglam Palani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palani on November, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in land measuring 1½ acres and building known as Andavar Rice Mill situated at S. No. 450/B2, Kodhaimangalam, Palani.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 11-4-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Shri S. Kamruddin,  
2. Shri R. Palanisamy Chettiar,  
3. S. Dharumaraju,  
4. Shri Nagamuthu Chettiar  
5. Shri S. Muthusamy Chettiar  
6. Shri R. Murugavel &  
7. Smt. Thayarammal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-6, the 11th April 1975

Ref No. VI/15/15B/1974-75.—Whereas, I K. V. Rajan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 450/B2 situated at Kodahimangalam Palani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Palani on November, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hajee M. Khader Md. Ravuthar,  
Perichipalayam, Kottathurai village, Palani taluk.  
(Transferor)

Half share in land measuring 1½ acres and building known as Andavar Rice Mill situated at S. No. 450/B2, Kodhaimangalam, Palani.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 11-4-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS

Madras-6, the 16th April 1975

Ref. No. F.X/12/17A/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 101 situated at Palam Station Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thallakulam on November, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
16—166GI/75

- (1) Shri Pl. M. Palaniappa Chettiar,  
Virayachilai, Tirumayam Taluk, Pudukkottai Dt.,  
(Transferor)
- (2) Tamil Murasu Publishers (P) Ltd.  
101, Palam Station Road, Madurai.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share in land measuring 45½ cents and building situated at door No. 101, Palam Station Road, Madurai (T.S. No. 1524/2).

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 16-4-1975  
Seal :

FORM ITNS

(2) Tamil Murasu Publishers (P) Ltd.  
101, Palam Station Road, Madurai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE-I, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th April 1975

Ref No. F.X/12/17B/74-75.—Whereas, I. K. V. Rajan being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 101 situated at Palam Station Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thallakulam on November, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons namely:—

(1) Shri PL. M. Muthalagappa Chettiar,  
Virayachilai, Tirumayam Taluk, Pudukkottai Dt.,  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share in land measuring 45½ cents and building situated at door No. 101, Palam Station Road, Madurai (T.S. No. 1524/2).

K. V. RAJAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 16-4-1975

Seal:

## FORM ITNS

(1) Shri P. M. Venkatachalam,  
Virayachilai, Tirumayam Taluk, Pudukkottai Dt.,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tamil Murasu Publishers (P) Ltd.  
101, Palam Station Road, Madurai.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th April 1975

Ref No. F.X/12/17C/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 101 situated at Palam Station Road, Madurai  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto) has been transferred as per deed registered  
under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Thattakulam on November, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons,  
namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the 'said Act',  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share in land measuring 45 3/4 cents and building  
situated at door No. 101, Palam Station Road, Madurai  
(T.S. No. 1524/2).

K. V. RAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 16-4-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Pl. M. Sekkappa Chettiar,  
Virayachilai, Tirumayam Taluk, Pudukkottai Dt.,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tamil Murasu Publishers (P) Ltd.  
101, Palam Station Road, Madurai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 16th April 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No. F.X/12/17D/74-75.—Whereas, I. K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 101 situated at Palam Station Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Thenkasi on November, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

1/4th share in land measuring 45½ cents and building situated at door No. 101, Palam Station Road, Madurai (T.S. No. 1524/2).

K. V. RAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri P. N. Sundaraswami,  
192, Dewan's Road, Mysore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. R. Prabha, W/o Shri K. Rajasekaran,  
No. 9/3 Ramar Koil Street, Ramnagar,  
Coimbatore-9.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

MADRAS-6, the 4th July 1975

Ref. No. 2317/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9/3, situated at Ramarkoil Street, Ramnagar, Coimbatore-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 4556/74 on 30-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building situated at Door No. 9/3 (New Door No. 11/3), Ramar Koil Street, Ram Nagar, Coimbatore and bearing T.S. No. 9/208 (Assessment No. 16787).

G. V. JHABAKH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range-II  
MADRAS-6

Date: 4-7-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Mary Srinivasan, 5-A, Pkinn Appartments, Jeet Nagar, Velisova, Bombay-61.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. S. Selvaraj, Kuttapalayam, Kolanalli village, Erode Tk.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madrass-6, the 4th July 1975

Ref No. F. 2319/74-75.—Whereas, I G. V. Jhabakh being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. 122, situated at Balasundram Chettiar Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. No. 4258/74) on 15-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 14 cents and 181 Sft. (with building) and bearing T.S. No. 10/1046 (G.S. No. 261/1) Ward No. 2, Krishnarayapuram village, Coimbatore.

G. V. JHABAKH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Madrass-6

Date : 4-7-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Mary Srinivasan, 5-A, Pikkil Apartments,  
Jeet Nagar, Versova, Bombay-61.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. Arumugam, S/o Shri Rangappa Gounder,  
South Pudupalavani, Vengambur village, Erode Tk.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 4th July 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter  
XXA of the said Act, shall have the same  
meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 10 cents and 405 Sft. (with building)  
and bearing T.S. No. 10/1046 (G.S. No. 261/1) Krishnaraya-  
puram village, Ward No. 2, Coimbatore.

Ref. No. F. 2319/74-75.—Whereas, I G. V. Jhabakh  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 122, situated at Balasundram Chettiar Road, Coimbatore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-  
tering Officer at  
Coimbatore (Doc. No. 4257/74) on 15-11-1974  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

G. V. JHABAKH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Madras-6

Date: 4-7-1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 4th July 1975

Ref. No. 2320/74-75.—Whereas, I G. V. Jhabakh being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 1402/1 Part, situated at Avanasi Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 4189/74) on November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri K. Santhanam, Advocate, No. 114, Telugu Brahmin Street, Coimbatore-1.

(Transferor)

(2) S/s 1. B. M. Narasimma Chettiar; 2. B. S. Balavenkatram; 3. B. N. Natarajan; 4. B. N. Damodaran; 5. B. N. Gokuldass; 6. B. N. Prasannadas; 7. B. N. Rajkumar. No. 358, Vaisiyal Street, Coimbatore Town.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 1 Acre—Cent 37—248 Sft. and bearing T.S. No. 1402/1 Avanashi Road, Coimbatore Town.

G. V. JHABAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax  
Acquisition Range-II  
Madras-6

Date: 4-7-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) 1. Shri M. Krishnaswami S/o Shri Muthuswami Servai; and 2. Shri K. Thangavel, S/o Shri Krishnaswami Servai, Kuniamuthur P.O., Coimbatore Tk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Shri V. Subbayan, S/o late Venkatachala Mudaliar, Milk Vendor, D. No. 128, Main Road, Edayapalayam, Kuniamuthur P.O., Coimbatore Tk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 4th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. F. 2325/74-75.—Whereas, I G. V. Jhabakh being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 148/2, 149/2 & 150, situated at Kuniamuthur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore (Doc No. 2692/74) on 16-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—176GI/75

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands admeasuring 7.80 acres and bearing Survey Nos. 148/2; 149/2 and 150, Kuniamuthur village.

G. V. JHABAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax  
Acquisition Range-II  
Madras-6

Date: 4-7-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. R. Krishnamurthy, M/s. S. K. S. &amp; Co., Bankers, Erode.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 4th July 1975

Ref. No. 2340/74-75.—Whereas, I G. V. Jhabakh being the Competent Authority under section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 894/1-B, situated at Mettur Road, Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc No. 4716/74) on 20-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri G. Sankar,  
No. 78, Court Street, Erode.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 7035 Sft. and bearing T.S. No. 894/1-B, Revenue Ward III, Mettur Road, Erode.

G. V. JHABAKH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 4-7-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri R. S. S. Shammugam,  
No. 216 Nethaji Road, Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri V. N. S. Marimuthu Chettiar,  
Thalavaipettai, Jambai Village,  
Bhavani Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 4th July 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

Ref. No. 2385/74-75.—Whereas, I G. V. Jhabakh being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 54, situated at Bhavani Main Road, Bhavani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. No. 4747/74) on 20-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Half of land and building bearing Door No. 54, Bhavani Main Road, Bhavani.

G. V. JHABAKH  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 4-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri V. N. S. Marimuthu Chettiar,  
Thalavaipettai Jambai village,  
Bhavani Taluk,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 4th July 1975

Ref No. F. No. 2385/74-75.—Whereas, I G. V. Jhabakh being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 54, situated at Bhavani Main Road, Bhavani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Erode (Doc. No. 4748/74 on 20-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. S. S. Balakrishnan  
No. 216, Nethaji Road, Erode.

(Transferor)

Date : 4-7-1975.

Seal :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half of land and building bearing Door No. 54, Bhavani Main Road, Bhavani.

G. V. JHABAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 22nd May 1975

Ref. No. CHD/211/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop-cum-flat No. 4, Sector 20-C, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri N. D. Grover,  
Principal,  
D.A.V. College, Abohar.

(Transferor)

(2) (i) Mrs. Arvinder Kaur, w/o Late Shri G. S. Bedi,  
(ii) Mrs. Arvinder Kaur { Mother and Natural  
Guardian of Shri Virinder  
(iii) Mrs. Arvinder Kaur { Singh, son (minor) and  
Sonu Bedi, daughter  
(minor),

Residents of 1619, Sector 7-C, Chandigarh.

(Transferee)

(3) M/s Sachdeva Footwear,  
SCF No. 4, Sector 20-C,  
Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop-cum-flat No. 4, Sector 20-C, Chandigarh.

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 22-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 23rd May 1975

Ref. No. RTK/26/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share in Kothi No. 409(B-III, Ward No. 13, (M.C., No. 31 to 35), Civil Road, situated at Rohtak, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in November, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Amir Chand,  
Resident of Kothi No. 409, B-III,  
Civil Road, Rohtak.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal, s/o Shri Vir Bhan,  
Resident of House No. 662, B-I,  
Dheri Mohalla, Near Mata Darwaza,  
Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share in Residential House No. 409, B-III, Ward No. 13, (M.C. No. 31 to 35), Civil Road, Rohtak.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2551 of November, 1974 of the Registering Officer, Rohtak.)

G. P. SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax  
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 23-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 26th May 1975

Ref. No. CHD/222/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. H, No. 20, Sector 11-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Dr. S. R. K. Chopra,  
House No. 20, Sector 11-A,  
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Mrs. Aruna, Singhal, w/o Shri R. K. Singhal,  
2-F, Sector 12,  
Chandigarh.

(Transferee)

- (3) (i) Dr. A. N. Shastri,  
(ii) Dr. C. P. Malik,  
Residents of House No. 20, Sector 11-A,  
Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 20, Sector 11-A, Chandigarh.

G. P. SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax  
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 26-5-1975,  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Major Kartar Singh, s/o Shri Ralla Singh,  
Resident of Barewal Awana,  
Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 22nd May 1975

Ref. No. LDH/C/503/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 1 bigha 16 biswas and 18 biswansis (Pukhta) situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) The Mintgomery Colony Housing Society, Ludhiana through Shri Harbans Singh, s/o Shri Gurdit Singh, President and Shri Himat Singh, s/o Shri Ladha Singh, Cashier of the Society, 422-I, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha, 16 biswas and 18 biswansis (Pukhta) situated in Barewal Awana, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 7745 of December, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

Khasra Nos.	1088,	1089,	1090,	1091
	3-12-4	3-14-6	0-8-14	1-3-8
	1092,	1093,		
	2-12-0	2-9-8		

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 22-5-1975,

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 26th May 1975

Ref. No. LDH/C/498/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Village Taraf Sekhewal, Teh. & Distt. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana in December, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—166GI/75

(1) (i) Shri Santokh Singh, (ii) Shri Kulwant Singh, sons of Shri Jagir Singh, Residents of Sekhewal, Tehsil & District Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s. Model Line Colonizers Private Ltd; Deepak Cinema Chowk, Ludhiana, through Sarvashri Inderjit Singh, Managing Director and Shiam Singh, Director.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 1 bigha 1 biswa 10 biswansis, situated at Taraf Sekhewal, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 7939 of December, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana).

Khasra Nos.	735,	735,	56,	58,	61
	59	1-4-15	1-3-10	0-18-8	6-1-0

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 26-5-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) M/s Model Line Colonizers Private Ltd., Deepak Cinema Chowk, Ludhiana, through Sarvashri Inderjit Singh, Managing Director and Shiam Singh, Director.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 26th May 1975

Ref. No. LDH/C/508/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Village Taref Sekhewal, Teh. & Distt. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Santokh Singh, (ii) Shri Kulwant Singh sons of Shri Jagir Singh, Residents of Sekhewal, Tehsil & District Ludhiana.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 1 bigha 14 biswas 3-1/6 biswansis, situated at Taraf Sekhewal, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 8103 of January, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

735/59 56 Min 58 62

Khasra Nos. ———, ———, ———

1-4-15, 1-3-10-1 6 0-18-8 0-1-0

G. P. SINGH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 26-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Bhag Singh, s/o Shri Hari Singh, Kara Bara, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s New India Colonisers, 55-Bhadaur House, Ludhiana, through Shri Bal Krishan.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 26th May 1975

Ref. No. LDH/C/519/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Taraf Kara Bara, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in January, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 7 kanals 6 marlas, bearing Khasra Nos.  
20                      20                      20  
—, —, — situated at Taraf  
17/2, 17/3    17/1                      24  
Kara Bara, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 8530 of January, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,

Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 26-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Bhag Singh, s/o Shri Hari Singh, Village Kara Bara, District Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s New India Colonisers, 55-Bhadaur House, Ludhiana, through Shri Bal Krishan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Chandigarh, the 26th May 1975

Ref. No. LDH/C/520/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Taraf Kara Bara, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in January 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 3 kanals 8 marlas, bearing Khasra No. 20/25, situated at Village Taraf Kara Bara, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 8566 of January, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the 'Said Act', to the following persons namely :—

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 26-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 22nd May 1975

Ref. No. LDH/C/561/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of H. No. B-20/1134 measuring 205/1/3 sq. yds. out of total area of 672 sq. yds., situated at Taraf Kara Bara, Tehsil & District Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Col. Jai Singh, s/o Shri Sher Singh, Resident of B-20/1134, Gurdev Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Rajinder Kaur, w/o Shri Upinder Singh, Resident of Sarabha Nagar, Ludhiana.  
Now H. No. B-XX/1134, Sunder Nagar Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of House No. B-20/1134, measuring 205/1/3 sq. yds. out of total area of 672 sq. yds., situated in Taraf Kara Bara, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 9170 of February, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 22-5-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Gurdip Singh, s/o S. Balwant Singh, Resident of 11-F, Sarabha Nagar, Ludhiana.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 22nd May 1975

Ref. No. LDH/C/562/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of H. No. B-20/1134, measuring 261/1/3 sq. yds. out of total area of 672 sq. yds., situated at Taraf Kara Bara, Tehsil & District Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in February, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Col. Jai Singh, s/o Shri Sher Singh, Resident of B-20/1134, Gurdev Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of House No. B-20/1134, measuring 261/1/3 sq. yds. out of total area of 672 sq. yds., situated in Taraf Kara Bara, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 9431 of February, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 22-5-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S. \_\_\_\_\_

(1) Col. Jai Singh, s/o Shri Sher Singh, Resident of B-20/1134, Gurdev Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurmeet Singh, s/o Shri Balwant Singh, Resident of 11-F, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 22nd May 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. LDH/C/563/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of H. No. B-20/1134, measuring 205/1/3 sq. yds. out of total area of 672 sq. yds., situated at Taraf Kara Bara, Tehsil & District Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana, in February, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of House No. B-20/1134, measuring 205/1/3 sq. yds. out of total area of 672 sq. yds., situated in Taraf Kara Bara, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 9513 of February, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 22-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Hemendra Prosad Barooah, 2. Shri Romen-  
dra Prosad Barooah, 3. Srijuta Kamal Kumari  
Barooah, All from Jorhat Town.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Ramniwas Modi, A.T. Road, Jorhat.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 16th May 1975

Ref. No. A-97/Jrt/75-76/468-79.—Whereas, I, Shri Egbert Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P.P. No. 358, Dag No. 1988, situated at Block No. 6, Jorhat Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jorhat on 12th November, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(A) Land measuring 17 (seventeen) lochas covered by New 30 years Dag No. 1988 under New 30 years P.P. No. 358 in Block No. VI of Jorhat Town, corresponding to Municipal Holding No. 179 (old) in ward No. V and 208 (new) of Ward No. IV of Jorhat Municipal Board, and bounded on North.

Thakurbari and vendors land, East Jamuna Ram Bridichand South P.W.D. Land and A.T. Road West Vendor's Land.

(B) (i) One main shop room 14'×20' with 12'×14' verandh at the front with pucca brick wall on four sides and C. Sheet roof.

(2) One cookshed 12'×12' with C.I. Sheets roof and pucca brick walls.

(3) Pucca latrine.

(4) One compound brickwall and urinal.

(C) (1) One Godown 18'×12'.

(2) Two Storied residential House 18'×15'.

EGBERT SINGH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong.

Date : 16-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Rameshchandra Manilal Shah &amp; Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Laxmibai Narayan Chowdhari.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-20

Bombay-20, the 13th June 1975

Ref. No. ARI/983-10/Oct.74.—Whereas, I, M. J. Mathan, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 4/207 of Parel-Sewree Division situated at Sewree, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay, on 17-10-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
19—166GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land of toka tenure admeasuring 1506 sq. mts (1800 sq. yds) together with building and structures standing thereon situate to the West of Tokersay Jivraj, Road Sewree, in the City and Island and Registration Sub-District of Bombay and registered in the books of the Collector of Land Revenue under No. D/6213, New Nos. 9/14233, 14359, 14381, 2/14235, 14377, 3/14385, 14062 and 14391 Old Survey No. 207 New Survey No. 1A/2383, 1B/24.4 (part), 2/2414, 1/2415, 1C/2379, 1/2415, 1/2378 and bearing C.S. No. 4/207 of Parel Sewree Division, and Street No. 45 DE Tokersay Jivraj Road and bounded as follows : that is to say on the North by the property bearing C.S. No. 204, of Parel Sewree Division on the East by the property of Beauty Art Dyers & Cleaners Pvt. Ltd. on the South partly by property of Gulabchand Gopaladas Siraj and partly by property of Swan Mills Ltd., and on the West partly by property of Pravinchandra Jhaverilal Engineer and another and partly by the property of Swan Mills Ltd.

M. J. MATHAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 13-6-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-20.

Bombay-20. the 13th June 1975

Ref. No. ARI/964-4/Oct.74.—Whereas, I, M. J. Mathan, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. 1276, situated at Rajan Village, Bandra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 7-10-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Petronila Theresa D'Sa & Others.  
(Transferor)
- (2) Parichay Co-operative Housing Soc. Ltd.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece and parcel of land or ground with mesuages tenements or dwelling house standing thereon and situate lying and being at Rajen Village, Bandra, in the registration Sub-District of Bandra, Bombay Suburban District bearing S. No. 280, Hissa No. 5, CTS No. 1276 admeasuring 663 sq. yds. equivalent to 554.35 sq. mts. or thereabout and bounded as follows : On or towards East partly by S. No. 280 Hissa No. 9 and CTS No. 1277 and partly by S. No. 280, Hissa No. 6 and CTS No. 1276 on or towards the West by the S. No. 280, Hissa No. 4, C.T.S. No. 1275 on or towards the North by S. No. 279 Hissa No. 4 and on or towards the South by S. No. 280 Hissa No. 12 C.T.S. No. 1272.

M. J. MATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 13-6-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM, COCHIN-11.

Cochin-11, the 8th July 1975

Ref. No. L.C. No. 43/75-76.—Whereas, I. M. M. Kurup, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. Number as per schedule situated at Angamali in Kothakulangara village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 30-10-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. M. Xavier, Earalattu House, Alwaye.  
(Transferor)
- (2) Shri P. N. Radhakrishnan, Managing Partner, (For Kamala Enterprises, Angamali).  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

3 Acres 94 cents of land with factory buildings in Survey numbers 312/1B/1, 312/A/1, 311/12/A, 6/2/5, 6/1A/2 in Kothakulangara village.

M. M. KURUP,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 8-7-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) Smt. Naryani Devi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Karuna Srivastava.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 9th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House No. 17/1-A consisting of 5 rooms on plot No. 856 having an area of 1 Bigha 12 Biswa 2 Dhur situated at village Aktha Pandaypur, Sarnath Road, Varansi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

BISHAMBHAR NATH.  
Competent Authority,  
Inspecting Asslt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 9-7-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd June 1975

Ref. No. Acq/205/KNP/74-75/579.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein after referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at 87/9, Bhannana Purwa, Kalpi Road, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 28-10-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Shri W. C. De Noronha, 17/9, Stanwill House, The Mall, Kanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Gaya Prasad s/o am Khelawan, 35/135, Etawah Bazar, Kanpur I, Sri Hukum Chand s/o Sri Suraj Prasad 30/97, Maheshwari Mohal, Kanpur Shri Sidheshwar Chaurasia s/o Sri Ram Narain Chaurasia, 55/54, Kakoo Kothi, Kanpur. Ram Krishan Dwivedi

20—166 GI/75

vedi s/o Shri Mathura Pd. Dwivedi, Shri Birendra Kumar Dwivedi s/o Ram Kishan Dwivedi 32/15, Chuni Mohal, Kanpur, Smt. Kewal Pati Devi w/o Shri Ram Raj Jaiswal 109/200, Jawahar Nagar, Kanpur, Srimati Santosh Arora w/o Shri Kisan Lal Arora 31/6 Ghumni Bazar, Kanpur, Sri Ram Kumar and Shri Shiv Kumar Jaiswal sons of late Shri Kamleshwar Jaiswal 30/96, Maheshwari Mohal, Kanpur. Sri Sri Kishan, Sri Chandra Kumar and Shri Raj Kumar Jaiswal sons of late Shri Triloki Ram Jaiswal 29/60 Maheshwari Mohal, Kanpur, Smt. Janak Kumari Jaiswal w/o Sri Motilal Jaiswal, 31/6, Ghumni Bazar, Kanpur, Sri Basant Lal and Sri Saut Lal sons of Sri Rameshwar Prasad Jaiswal, 29/43, Ghumni Bazar, Kanpur, Smt. Bhawan Devi w/o Shri Shyam Dev Jaiswal, 108/180, Rambagh, Kanpur, Smt. Rani Devi Shukla w/o Sri Ayodhya Prasad Shukla, 119/61A, Nasimabad, Kanpur, Smt. Usha Rani w/o Sri Ram Narain Jaiswal, 118/423, Kaushal-puri, Kanpur, Sri Ram Narain Jaiswal s/o Sri Suraj Narain Jaiswal 47/18, Maniram Baghia, Kanpur, Smt. Savitri Devi w/o Sri Duli Chand Jaiswal 30/97 Maheshwari Mohal, Kanpur, Smt. Bimla Devi w/o Krishna Kumar Upadhyaya 87/31, Acharyanagar, Kanpur, Smt. Shyam Dulari w/o Sri Ram Kumar Jaiswal 30/35, Chhuri Mohal, Kanpur.

(Transferees)

- (6) S/Shri Staply Noronha (Junior), Miss Chari De Noronha, Mrs. Violet De Noronha, Heir of late P. C. De Noronha, Mrs. Violet De Noronha, Heirs of late P. C. De Noronha.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. 87/9 Bhannanapurwa, Kalpi Road, Kanpur in an area of 3553.39 Sq. yards transferred for an apparent consideration of Rs. 3,00,000/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-6-1975  
Seal

\*(Strike off where not applicable)

## FORM ITNS

(1) Shri S. Kartar Singh S/o S. Saudagar Singh r/o M-39/C Rajouri Garden, New Delhi now at Z-1/A, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. Sita Ram Mongia s/o Late Shri Satya Brat, r/o P.O. Jaspur, Dist. Nainital, (U.P.).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/829/75-76/565.—Whereas, I, C. V. Gupte,  
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-39/C situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 15-11-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2½ storeyed residential house at No. M-39/C area measuring 192 sq. yds. in Rajouri Garden, New Delhi situated on Najafgarh Road and bounded as under :—

North—Road

South—House No. M-39/B

East—Service Lane

West—Service lane.

C. V. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi.

Date: 5th May, 1975  
Seal: